वर्ष : 16 ❖ अंक : 50 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 21 सितम्बर 2021

चप्पल उठाने वाली होती है ब्यूरोक्रेसी : उमा भारती 3 | पंजाब चुनाव का नेतृत्व करेंगे चन्नी और सिद्धू : कांग्रेस 8

एसडीएफ के झूठे प्रचार से बचें लोग : अरुण उप्रेती

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 20 सितम्बर । पूर्व जिले के छुजाचेन निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत रंगेली स्थित मेलाटार में आज एसकेएम पार्टी की एक समन्वय सभा आयोजित की गई। राज्य के पार्टी कार्यकर्ताओं में समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित इस सभा में मंत्री अरुण उप्रेती मुख्य अतिथि थे।

पार्टी से संबंधित कामकाज को बढ़ाने के लिए हर निर्वाचन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए एसकेएम पार्टी बैठकों का आयोजन कर रही है। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए थे। कार्यक्रम में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष नवराज गुरुंग, महासचिव, मुख्यालय पवन गुरुंग, मुख्यमंत्री के सलाहकार रोहित राज महाराज, विधायक एम प्रसाद दुलाल, विधायक विष्णु खतिवड़ा, नाथांग माछोंग के प्रभारी छिरिंग भूटिया, श्रम विभाग की अध्यक्ष गंगा परसाई, छुजाचेन के प्रभारी डम्बर प्रधान, मुख्यमंत्री के गोपनीय सचिव बिकास बस्नेत आदि भी उपस्थित थे। यह जानकारी एसकेएम प्रचार सचिव रंजना प्रधान ने प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री अरुण उप्रेती ने लोगों से एसडीएफ समर्थकों के झूठे प्रचार के से बचने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि इसके बजाय समर्थकों को भविष्य की योजनाओं और कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि पार्टी का उत्थान हो सके। उन्होंने आगे कहा कि जनता की शिकायतों को सुनने के बाद जल्द ही सड़क की समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी बात रखने के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि एसकेएम लोगों की पार्टी है।

क्षेत्र प्रभारी डम्बर प्रधान ने कहा कि उन्होंने लुंचोक, लिंगताम, फादमचेन, अरिटार में पर्यटन विकास सहित सड़क एवं विद्यालय उन्नयन एवं निर्माण, सभागार, छात्रावास, अस्पताल उन्नयन एवं निर्माण के संबंध में प्रस्ताव सौंपा है।

उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र स्तर के कार्यों की क्षमता को बढ़ाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच कार्य एवं समन्वय पर भी चर्चा की। आज लगभग 418 व्यक्ति एसकेएम पार्टी में शामिल हुए। सभा को विधायक विष्णु खतिवड़ा, रोहित राज महाराज, भानु प्रधान, सहदेव शर्मा, गंगा परसाई और सुनीता गौतम ने भी संबोधित किया।

विकृत राम राज्य का आनंद ले रही है गोले टीम : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 20 सितम्बर । पूर्व मुख्यमंत्री और एसडीएफ पार्टी के अध्यक्ष पवन चामलिंग ने कहा है कि पिछले चुनाव प्रचार के दौरान एसकेएम पार्टी ने जिस राम राज्य का वादा किया था, वह कभी नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'गोले टीम' विकृत राम राज्य के अपने ही संस्करण का आनंद ले रही है और लोग विलाप कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसी क्रूर और बेरहम सरकार के तहत अभी और बुरा वक्त आना बाकी है। एसडीएफ पार्टी की ओर से आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्री चामलिंग ने उक्त बातें कही।

उन्होंने कहा कि निःस्संदेह एसकेएम सरकार गोले और 'गोले टीम' के लिए राम राज्य रही है। लेकिन गोले के राम राज्य में आम लोगों को उनके दर्द और पीड़ा का समाधान नहीं मिल पाया है। सरकार को लोगों के लिए सुरक्षा और मदद का स्रोत माना जाता है, लेकिन गोले सरकार लोगों के लिए भय, आतंक और असुरक्षा का स्रोत रही है। लोग इस क्रूर शासन के तहत अपने सदमे, पीड़ा, दर्द और नुकसान को व्यक्त करने के लिए 'हे राम' कह रहे हैं।

उन्होंने पिछले दिनों राज्य में घटी घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार बनाते ही एसडीएफ कार्यकर्ताओं पर हमला हुआ। कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गए। इसी तरह बैक डोर से सरकारी नौकरियों में 2000 से अधिक व्यक्तियों की अवैध नियुक्ति की गई। ये सभी मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, सलाहकार, अध्यक्ष या शीर्ष नौकरशाहों के रिश्तेदार थे। पश्चिम जिले के गेजिंग कॉलेज से चार छात्रों का निष्कासन किया गया, जो केवल शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री से मिलना चाहते थे। यह सबसे अधिक प्रतिगामी, दमनकारी और शिक्षा विरोधी कार्य था जिसकी कोई कल्पना भी कर सकता है।

उन्होंने कहा कि जब पूरे सिक्किम से छात्रों ने निष्कासन की निंदा करना शुरू कर दिया, तो शिक्षा विरोधी सरकार ने कुछ छात्रों को सरकार की प्रशंसा करने के लिए उकसाया। ऐसा है एसकेएम का राम राज्य। उन्होंने आगे कहा है कि एसपीवाईएफ के सदस्यों ने राज्य सरकार से महामारी के दौरान टैक्सी किराए में वृद्धि पर पुनर्विचार करने के लिए धरना दिया। उनकी बात सुनने के बजाय, सरकार ने टैक्सी चालकों को जवाबी धरना देने के लिए उकसाया। इसी प्रकार सिक्किम के युवा एडहॉक शिक्षकों को सरकार को उनकी शिकायतें सुनाने के लिए बार-बार सड़कों पर आना पड़ा। वे शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री से मिलना चाहते थे। लेकिन एसकेएम सरकार ने धरना स्थल पर जाने और उनके शांतिपूर्ण धरने को बाधित करने के लिए एडहाक शिक्षकों के एक और समूह को उकसाया। अब, सिक्किम के नागरिकों ने धरने पर बैठने का अधिकार खो दिया है।

उन्होंने सवाल किया कि आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए धारा 144 लगाई जाती है। इसे शिक्षकों पर क्यों थोपा गया। उन्होंने कहा कि इसका कारण यह है कि एसकेएम सरकार शिक्षा विरोधी और गुंडागर्दी समर्थक पार्टी है। उन्होंने आगे कहा कि जब भाईचुंग भूटिया ने सार्वजनिक खेल के मैदान में अस्पताल बनाने और कोविड संकट से पैसे को बुनियादी ढांचे के निर्माण में लगाने के सरकार के फैसले पर सवाल उठाया तो गोले टीम ने कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हुए नामची बाजार के बीच में उनका पुतला जलाया। उन्होंने कहा कि कई लोग आज एसकेएम में शामिल हो रहे हैं क्योंकि उनके कंट्रैक्ट के बिल रुके हुए हैं या उनके परिवार के सदस्यों को स्थानांतरण आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा है कि नशीली दवाओं की तस्करी, बलात्कार के मामलों, चोरी और आत्महत्या के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। यहां तक कि जेब काटने के मामले भी सामने आने लगे हैं। इससे भी बुरा अभी आना बाकी है।

बड़ी संख्या में एसडीएफ समर्थक एसकेएम में शामिल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 20 सितम्बर । सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा पार्टी के अध्यक्ष एवं मुख्यमन्त्री प्रेम सिंह तामांग की दीर्घमियादी सोच, कार्ययोजना और भविष्य के सुन्दर सिक्किम की परिकल्पना के साथ सिक्किम में किए जा रहे जनकल्याण के कामों से प्रभावित होकर विपक्षी पार्टियों को छोड़कर एसकेएम पार्टी में प्रवेश लेने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह बात एसकेएम की प्रचार प्रसार सचिव रंजना प्रधान ने यहां एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

उन्होंने कहा कि सिक्किम के हरेक क्षेत्र से लोग एसकेएम में शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में आज लुइंग पर्विंग ग्राम प्रशासन केन्द्र तथा रांका ग्राम प्रशासन केन्द्र से सम्पूर्ण पंचायत सदस्यों ने सिक्किम प्रजातान्त्रिक पार्टी (एसडीएफ) पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देकर सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा पार्टी में प्रवेश लिया। आज मुख्यमन्त्री के सरकारी निवास मिन्तोकगांग में मुख्यमन्त्री से भेंट कर वे पार्टी में शामिल हुए।

एसकेएम में शामिल होने वालों ने कहा कि एसडीएफ ने जो काम 25 वर्षों में नहीं किया है वह एकसेएम ने दो वर्षों में कर दिया। एसकेएम के काम से प्रभावित होकर ही वे इसमें शामिल हुए हैं। उन्होंने अब एसकएम पार्टी की नीति, सिद्धान्त और कार्यक्रम को आत्मसात कर काम करने की प्रतिबद्धता प्रकट की। मुख्यमन्त्री ने कहा कि एसकेएम पार्टी शून्य शत्रुता की नीति अपनाते हुए काम कर रही है।

केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने की राज्यपाल से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 20 सितम्बर । केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी तीन दिवसीय यात्रा पर सिक्किम पहुंचे। उन्होंने आज राजभवन में सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद से शिष्टाचार भेंट की। यह जानकारी राभजवन ने दी है।

भेंट के दौरान केंद्रीय मंत्री ने राज्य में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की। दूसरी ओर, राज्यपाल प्रसाद ने केंद्रीय मंत्री को स्मृति चिन्ह के रूप में ओम थांका और चोकत्से प्रदान की।

एसकेएम सरकार बनने के बाद से हुए हैं अनेक काम : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 20 सितम्बर । सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी की राज्यव्यापी क्रमिक समन्वय बैठक आज पश्चिम जिले के यांगथांग निर्वाचन क्षेत्र के लिए गेजिंग बाजार के सामुदायिक भवन में आयोजित की गई। पार्टी की जिला एवं क्षेत्रीय कार्यकारिणी समिति की संयुक्त पहल पर आयोजित बैठक में कृषि एवं बागवानी विभाग मंत्री लोकनाथ शर्मा मुख्य अतिथि थे। इसी तरह क्षेत्र के विधायक एवं मंत्री भीमहांग लिम्बू, लोकसभा सांसद इंद्र हांग सुब्बा, प्रचार प्रसार उपाध्यक्ष प्रभारी बिरेंद्र तामलिंग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष हरिनारायण सुबेदी आदि भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि मंत्री शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष के दिशा-निर्देशों के अनुसार पार्टी के संगठन के विस्तार के तहत राज्य स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी की सरकार बनने के बाद से राज्य में अनगिनत काम हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले 25 वर्षों की सरकार में जो काम नहीं किया गया, वह दो साल की अवधि में किया गया है। उन्होंने वर्तमान युवा पीढ़ी को सिक्किम में स्वास्थ्य विभाग की स्थिति की तुलना पिछली सरकार की कार्य प्रणाली से करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक विकास और व्यक्तिगत सुविधा पर काफी काम किया जा रहा है। उन्होंने कृषि क्षेत्र में हो रहे विकास की जानकारी देते हुए कहा कि किसानों को विभिन्न उत्पादों के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि न पार्टी में केवल पद नहीं बल्कि अपनी जिम्मेदारियों को निभाना भी एक वफादार कार्यकर्ता का धर्म है। उन्होंने कहा कि पार्टी एक संपूर्ण शरीर है और पार्टी अध्यक्ष सिर के समान होता है, शरीर का कोई भी हिस्सा क्षतिग्रस्त होने पर सिर में दर्द होता है। इसलिए कोई भी पार्टी कार्यकर्ता को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे सिर में असर पड़े।

इसी तरह सभा को संबोधित करते हुए सांसद इंद्र हांग सुब्बा ने कहा कि पार्टी में नए और पुराने कार्यकर्ताओं के बीच भेदभाव नहीं होना चाहिए, क्योंकि इससे पार्टी को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि नवागंतुकों को साथ लेकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसकेएम सरकार ने बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है। पिछली सरकार द्वारा अधूरे छोड़े गए सभी कार्यों को पूरा किया जाएगा। जिला प्रचार सचिव मिलन सुब्बा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आज की समन्वय बैठक में 60 से अधिक परिवार विभिन्न विपक्षी दलों को छोड़कर एसकेएम पार्टी में शामिल हो गए। आज की बैठक को क्षेत्र विधायक एवं मंत्री भीमहांग सुब्बा समेत अन्यों ने भी संबोधित किया।

नेवार गुठी सोरेंग ने मनाया इंद्र जात्रा उत्सव

सरोज गुरुंग

सोरेंग, 20 सितम्बर । नेवार गुठी सोरेंग के तत्वावधान में आज सोरेंग में सामुदायिक भवन में इंद्र जात्रा उत्सव मनाया गया। इंद्र जात्रा उत्सव, जिसे कुमारी पूजा के नाम से भी जाना जाता है, आठ दिनों तक मनाया जाता है। यह त्योहार नेवार समुदाय द्वारा पौराणिक समय से मनाया जाने वाला एक सम्मानित और महत्वपूर्ण सांस्कृतिक उत्सव है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सोरेंग के विधायक आदित्य गोले उपस्थित थे। विधायक गोले के अलावा खेल एवं युवा मामला विभाग के सलाहकार मेघनाथ सुब्बा, क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष विनोद बस्नेत, राज्य कृषि एवं बागवानी बोर्ड के अध्यक्ष चंद्र कुमार राणा, पूर्व मुख्य सचिव पीके प्रधान, महकमा अधिकारी रंजन राई, एसडीपीओ महेंद्र प्रधान, एसकेएम पार्टी के सीएलसी अध्यक्ष सुकराज सुब्बा, स्थानीय पंचायत, विभागीय अधिकारी, नेवार समुदाय की प्रमुख हस्तियां और नेवार गुठी सोरेंग से जुड़े सदस्य उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि नेवार समुदाय आदिकाल से भाद्र शुक्ल चतुर्दशी के दिन वर्षा और सहकाल के देवता इंद्र तथा जीवित देवी कुमारी की पूजा करके इंद्र जात्रा उत्सव मनाता रहा है। इस अवसर पर, नेवार समुदाय की अपनी जातीय पोशाक पहनने और जातीय भोजन करने और अन्य समुदायों को खिलाने की परंपरा है। इतना ही नहीं वे उपहारों का आदान-प्रदान कर एक-दूसरे के सुख, शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। इंद्र जात्रा उत्सव पर कुमारी, गणेश और भैरव की रथयात्रा निकाली जाती है। रथयात्रा के साथ-साथ लाखे नृत्य और पुलुकिसी नृत्य भी किए जाते हैं। रथयात्रा नेवार समुदाय के लिए एक बहुत ही मजेदार त्योहार है।

सिक्किम में रहने वाले नेवार समुदाय ने इंद्र जात्रा को न केवल एक त्योहार के रूप में बल्कि अपनी पहचान के रूप में भी स्थापित किया है। वैश्विक महामारी कोविड-19 के संकट के बीच भी सोरेंग में नेवार गुठी ने कोविड प्रोटोकॉल के अनुपालन में कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर पर नेवार गुठी सोरेंग ने सोरेंग की एक सफल पर्वतारोही मनिता प्रधान को भी दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए सम्मानित किया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण राज्य इकाई में हिन्दी सप्ताह मना

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 20 सितम्बर । भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, राज्य इकाई के गंगटोक कार्यालय में 13 से 20 सितंबर तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन कोविड-19 प्रोटोकाल के साथ किया गया। 13 सितंबर को डॉ पंकज सैनी, निदेशक एवं हिंदी राजभाषा अधिकारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन किया। इसके पश्चात कुमारी प्रियंका प्रसाद,अवर श्रेणी लिपिक ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन करते हुए भूवैज्ञानिक एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी सुधाकर रंजन ने हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक महत्व को बताया एवं हिन्दी दिवस तथा हिन्दी सप्ताह /पखवाड़ा मनाने के उद्देश्य से अवगत कराया। हिन्दी सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। समापन समारोह में प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर डॉ. पंकज सैनी ने अपने भाषण के दौरान हिन्दी भाषा के इतिहास एवं महत्व के बारे में बताया। उन्होंने हिन्दी भाषा के कार्यान्वयन में होने वाली बाधाओं, नीति संबंधी समस्याओं, राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा में अंतर आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। हिन्दी सप्ताह के दौरान दिनांक 13 सितम्बर को हिन्दी (शेष पृष्ठ ०३ पर)

महिलाओं की बुनियादी जरूरतों में रसोई गैस शीर्ष पर है : रामलल्लू

गणेश सिंह (विशाल)

सिंगरौली (मध्य प्रदेश), 20 सितम्बर। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2.0 के तहत पात्र हितग्राहियो के बीच रसोई गैस का नि:शुल्क कनेक्शन वितरण योजना का मुख्य कार्यक्रम सामुदायिक भवन बैढन् में सिंगरौली विधायक रामलल्लू बैस के मुख्य अतिथ्य एवं देवसर विधायक सुभाष-रामचरित्र बर्मा, कलेक्टर राजीव रंजन मीना, नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष चन्द्रप्रताप विश्वकर्मा, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष डॉ.रवीन्द सिंह, पूर्व पार्षद देवेश पाण्डेय, मधु झा के मौजूदगी में विधिवत मॉ सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

उज्वला योजना 2.0 के तहत पात्र हितग्राहियो को गैस कनेक्शन के साथ-साथ नि:शुल्क चूल्हा और अन्य सामग्रियों का वितरण किया। इसके साथ ही जिले के सभी उपखण्डों में भी उज्वला योजना 2.0 के तहत पात्र हितग्राहियो के बीच एक साथ गैस कनेक्शन चूल्हा एवं अन्य सामग्रियों का वितरण किया गया। सामुदायिक भवन बैढन् में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विधायक श्री बैस ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा किये गए अच्छे दिन के वादे पूरे हो रहे हैं। महिलाओं की बुनियादी जरूरतों में रसोई गैस शीर्ष पर है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने यह योजना पूरे देश में लागू की। खास कर उन गरीब परिवारों के लिए जिनके पास खाना बनाने की सुविधा नहीं होती। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं की कठिनाइयों को महसूस किया।

विधायक ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत आज इस समारोह में 507 पात्र हितग्राहियो के बीच नि:शुल्क गैस कनेक्शन, चूल्हा, गैस सिलिंडर

रेगुलेटर प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चालू की गई यह योजना जनहित के लिए है। उज्वला योजना से प्राप्त गैस कनेक्शन गृहिणी माताओं-बहनों के लिए मील का पत्थर साबित होंगी। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जिले की 18 गैस एजेसिंयो के माध्यम से उज्वला योजना 2.0 के तहत पात्र हितग्राहियो को नि:शुल्क गैस कनेक्शन का वितरण किया जा रहा है।

कलेक्टर ने कहा उज्वला योजना के दूसरे चरण मे जिले के 52 हजार हितग्राहियो को नि:शुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जायेगा। वहीं समारोह में उपस्थित महिलाओं से कलेक्टर ने आग्रह किया कि जिनका अभी तक कोविड टीकाकरण नही हुआ वे अपना टीकाकरण जरूर करायें। कार्यक्रम के दौरान ननि के पूर्व अध्यक्ष चन्द्रप्रताप विश्वकर्मा ने भी अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के दौरान जबलपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का लाईव प्रसारण के माध्यम से उज्वाल 2.0 के हितग्राहियो सहित उपस्थित जन प्रतिनिधियो के द्वारा देश के गृह मंत्री अमित शाह एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के उद्बोधन को देखा व सुना गया।

कार्यक्रम के दौरान खाद्य आपूर्ति अधिकारी बालेन्द शुक्ला, खनिज अधिकारी एके राय, सहकारिता अधिकारी पीके मिश्रा, सहायक आपूर्ति अधिकारी रघुवंश मणि शुक्ला, हरिहर इण्डेन गैस के संचालक पवन सिंह एवं अंजली गैस एजेंसी के संचालक नागेन्द शुक्ला व अन्य मौजूद रहे।

पाकिस्तान में तालिबान का असर, तालिबान का झंडा फहराने पर लाल मस्जिद के मौलवी के खिलाफ मामला दर्ज

इस्लामाबाद, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पुलिस ने इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान (आईईए) का झंडा फहराने के लिए एक बेहद संवेदनशील मदरसा के प्रभावशाली कट्टरपंथी मौलवी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जाने-माने कट्टरपंथी मौलवी और तालिबान के मुखर समर्थक मौलाना अब्दुल अजीज ने इस्लामाबाद में महिलाओं के लिए एक धार्मिक स्कूल जामिया हफ्सा मदरसा पर तालिबान का झंडा फहराया।

जानकारी के अनुसार, मदरसे से झंडा हटाने से इनकार करने पर पुलिस ने अजीज के खिलाफ देशद्रोह और आतंकवाद का मामला दर्ज किया है। अधिक जानकारी से पता चला कि अजीज और उसके समर्थकों ने पुलिस को इमारत में प्रवेश करने से रोक दिया था। हालांकि बाद में राजधानी के उपायुक्त ने ट्वीट कर इस बात की पुष्टि की कि झंडा हटा दिया गया है, इलाके को खाली करा लिया गया है और मौलवी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

तालिबान के लिए अजीज का खुला समर्थन एक खुले रहस्य की तरह ही है, क्योंकि 2007 में अल-कायदा के साथ घनिष्ठ संबंध रखने और जामिया हफ्सा और लाल मस्जिद में एक विद्रोही समूह का नेतृत्व करने के लिए उन्हें दो साल की जेल की सजा दी गई थी।

2007 में एक बड़ा ऑपरेशन किया गया था, जिसमें अजीज के छोटे भाई समेत दर्जनों लोग मारे गए थे।

अजीज तालिबान के खुले तौर पर समर्थक बने हुए हैं और उनकी ओर से देश में इस्लामिक शरिया प्रणाली लागू करने की मांग की जा रही है। तालिबान के साथ उनकी संबद्धता और आत्मीयता को इस तथ्य से अच्छी तरह से स्थापित किया जा सकता है कि लाल मस्जिद में एक पुस्तकालय का नाम मारे जा चुके अंतर्राष्ट्रीय आतंकी अलकायदा सुप्रीमो ओसामा बिन लादेन के नाम पर रखा गया है, जो उसे शहीद के रूप में सम्मान के तौर पर दिखाता है।

लाल मस्जिद 2007 के हमले के बाद से बंद है। हालांकि, अजीज अपनी मांगों और तालिबान के समर्थन के बारे में हमेशा से ही स्पष्ट रहे हैं।

अजीज को अभी भी लोगों का व्यापक समर्थन प्राप्त है। हालांकि, 2007 के बाद से, उसे लाल मस्जिद में उपदेश देने की अनुमति नहीं दी गई है।

अजीज ने एक बयान में कहा, 'हमने पहले भी पाकिस्तान में इस्लामी शासन प्रणाली की स्थापना के लिए काम किया है और हम अपने प्रयास जारी रखेंगे।'

ताजा घटना ने उस समर्थन पर गंभीर चिंता जताई है जो अजीज जैसे मौलवी तालिबान को प्रदान करते हैं, क्योंकि उनके पास बड़े पैमाने पर अनुयायी हैं और अधिकांश हजारों छात्रों के साथ विशाल मदरसा चला रहे हैं।

इस साल अगस्त में अफगानिस्तान के तालिबान के अधिग्रहण को पाकिस्तान में कई लोगों से जश्न की प्रतिक्रिया मिली है। स्थानीय लोगों, मौलवियों और यहां तक कि कुछ राजनेताओं ने पड़ोसी देश के घटनाक्रम पर खुशी व्यक्त की है, जिसे वे नाटो और संयुक्त राज्य अमेरिका का एक बड़ा नुकसान कहते हैं। यह भावना और तालिबान के लिए एक अचिह्नित समर्थन, तालिबान समर्थक हंगामे या हमले की संभावनाओं का मुकाबला करने की चुनौती को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के लिए और भी कठिन बना देता है।

कर्नाटक में गिरफ्तार जासूस निकला आईएसआई एजेंट

बेंगलुरु, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। पुलिस ने कहा कि मिलिट्री इंटेलिजेंस और कर्नाटक पुलिस के एक संयुक्त अभियान में पाकिस्तान की इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए काम कर रहे एक जासूस को सोमवार को यहां गिरफ्तार किया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी की पहचान राजस्थान के बाड़मेर जिले के जितेंद्र सिंह के रूप में हुई है।

सूत्रों ने कहा कि आरोपी जासूस जितेंद्र सिंह ने सेना के ठिकानों, फायरिंग रेंज और भारतीय सेना की आवाजाही का वीडियो और तस्वीरें लीं और उन्हें आईएसआई एजेंटों के पास भेज दिया।

सूत्रों ने कहा कि आरोपी ने तस्वीरें और वीडियो लेते हुए भारतीय सेना की वर्दी पहनी हुई थी। वीडियो, फोटो और वॉयस मैसेज भेजने के बाद वह उन सभी को डिलीट कर देता था। हालांकि, पुलिस अधिकारी सभी हटाए गए संदेशों को पुन: प्राप्त करने में कामयाब रहे।

जितेंद्र सिंह को आईएसआई एजेंट ने 'नेहा उर्फ पूजाजी' नाम के फर्जी फेसबुक अकाउंट के जरिए फंसाया था। एजेंट ने सिंह के साथ दोस्ती की क्योंकि उसने सेना की वर्दी में उसकी एक तस्वीर लगाई थी।

सूत्रों ने आगे कहा कि वह 2016 में आईएसआई के संपर्क में आया था। सालों तक मीठी-मीठी बातें करने के बाद, उसे मोटी रकम के बदले में वीडियो, फोटो और अन्य जानकारी भेजने के लिए कहा गया। आरोपी मान गए और उनके आदेश का पालन किया। सूत्रों ने बताया कि उन्हें विभिन्न खातों से डिजिटल रूप से भुगतान किया गया था।

मिलिट्री इंटेलिजेंस ने फेसबुक पर जितेंद्र सिंह और नेहा के बीच हुई बातचीत को देखते हुए खातों की निगरानी शुरू कर दी। नेहा के अकाउंट में पाकिस्तान में कराची का आईपी एड्रेस दिखाया गया था।

सूत्रों ने कहा कि जितेंद्र करीब दो महीने पहले बेंगलुरु शिफ्ट हुआ था। यहां उसने एक फुटपाथ पर कपड़ा व्यापारी के रूप में कारोबार शुरू किया जो कॉटनपेट के जॉली मोहल्ला में दुकानदारों को कपड़े बेचता था।

मिलिट्री इंटेलिजेंस स्लीथ्स और कर्नाटक पुलिस सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में उसे उठाया।

संयुक्त आयुक्त (अपराध) संदीप पाटिल ने उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया, 'आरोपी ने देश में रक्षा प्रतिष्ठानों के फोटो और वीडियो लिए और उन्हें विदेशी एजेंसी को भेज दिया। फोटो और वीडियो को हिरासत में ले लिया गया है। उसके घर की तलाशी के दौरान, अधिकारियों को एक सैन्य वर्दी मिली है। उसने सेना का दुरुपयोग किया है। और अधिक विवरण अभी जांच में सामने आना बाकी है।'

ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने मनोविज्ञान में पहली स्नातकोत्तर डिग्री शुरु

सोनीपत , 20 सितम्बर । ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) ने मनोविज्ञान में अपनी पहली स्नातकोत्तर डिग्री - एप्लाइड साइकोलॉजी में एम.ए./एमएससी शुरू करने की घोषणा की है। जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज (जेआईबीएस) द्वारा जिंदल स्कूल ऑफ साइकोलॉजी एंड काउंसलिंग (जेएसपीसी) के सहयोग से नया कार्यक्रम पेश किया गया है।

जैसा कि सामान्य रूप से दुनिया, और विशेष रूप से भारत में योग्य और प्रशिक्षित मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की आवश्यकता को तेजी से पहचान रहा है, यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करता है। ये डिग्री मनोविज्ञान के क्षेत्र में विचारकों और चिकित्सकों की एक नई पीढ़ी का पोषण करने के लिए तैयार है।

यह दो वर्षीय कार्यक्रम अगस्त 2022 में शुरू होगा, जो प्रमुख अकादमिक और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा क्यूरेट किया जाएगा और अनुसंधान-सक्रिय विश्व स्तरीय संकाय सदस्यों के एक विविध समूह द्वारा सूचित किया जाएगा।

छात्रों को अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं, विविध इंटर्नशिप, और प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान के अवसरों तक पहुंच के माध्यम से व्यावहारिक और अनुभवात्मक सीखने से अवगत कराया जाएगा। उनकी रुचि और योग्यता के आधार पर, इस कार्यक्रम से स्नातक होने वाले छात्रों को अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक कार्य क्षेत्र और उद्योग-केंद्रित अवसरों सहित विविध कैरियर मार्गो को आगे बढ़ाने के लिए सुसज्जित किया जाएगा।

जेजीयू भारत में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त एक गैर-लाभकारी वैश्विक विश्वविद्यालय है।

2021 क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के अनुसार, इसे भारत में नंबर एक निजी विश्वविद्यालय के रूप में स्थान दिया गया है। यह भारत का एकमात्र निजी विश्वविद्यालय भी है जिसे 2021 क्यूएस यंग यूनिवर्सिटी रैंकिंग में दुनिया भर के शीर्ष 150 संस्थानों में स्थान दिया गया है।

जेजीयू को भारतीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा एक 'उत्कृष्ट संस्थान' (आईओई) के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो विश्वविद्यालय को पूर्ण स्वायत्तता का प्रयोग करने के लिए सरकारी नियमों से मुक्त करता है।

इस सहयोगात्मक प्रयासों में छात्र आदान-प्रदान, ड्यूल डिग्री कार्यक्रम, इमर्सन कार्यक्रम, संयुक्त सेमिनार और सम्मेलन, अल्पकालिक अध्ययन कार्यक्रम, और संकाय के लिए संयुक्त अनुसंधान और प्रकाशन के अवसर शामिल हैं।

कांग्रेस ने दलितों का अपमान किया : बीजेपी

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। पार्टी के पंजाब प्रभारी हरीश रावत ने कहा है कि 2022 के विधानसभा चुनाव राज्य पार्टी प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के नेतृत्व में लड़े जाएंगे, जिसपर विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने पंजाब और देश के दलित समुदाय का अपमान किया है।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने आईएएनएस को बताया कि अपनी पार्टी की राज्य इकाई में कलह को नियंत्रित करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व ने चन्नी जी (चरणजीत सिंह चन्नी) को पंजाब का मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन आगामी राज्य विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व नहीं करने देकर दलित समुदाय का अपमान किया।

शर्मा ने कहा, 'अगर कांग्रेस को चरणजीत सिंह चन्नी की नेतृत्व क्षमता पर भरोसा नहीं है, तो उन्होंने राज्य विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्हें चार महीने के लिए मुख्यमंत्री क्यों बनाया।'

चन्नी की तुलना नाइट वॉचमैन से करते हुए शर्मा ने आगे कहा, 'कांग्रेस नेताओं हरीश रावत और सुनील जाखड़ की टिप्पणियों से पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी में किसी को भी चन्नी के नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। उन्होंने (कांग्रेस ने) चन्नी का मजाक बनाया है और पंजाब के दलितों का अपमान किया है।'

इससे पहले सोमवार को पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने ट्वीट किया, 'चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में (हरीश) रावत का यह बयान चौंकाने वाला है कि चुनाव सिद्धू के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। यह मुख्यमंत्री के अधिकार को कम करके आंकना है।' जाखड़ के ट्वीट का हवाला देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा, 'पंजाब का कप्तान कोई और होगा, क्या चरनजीत चन्नी सिर्फ नाइट वॉचमैन हैं?'

इमरान खान पर भड़का तालिबान, कहा- पाकिस्तान समेत किसी भी देश को समावेशी सरकार के लिए सुझाव देने का अधिकार नहीं

इस्लामाबाद, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान की 'समावेशी' सरकार बनाने वाली टिप्पणियों का करारा जवाब दिया है। तालिबान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान समेत किसी भी देश को इस्लामिक अमीरत से अफगानिस्तान में एक 'समावेशी' सरकार स्थापित करने के लिए कहने का कोई अधिकार नहीं है।

तालिबान के प्रवक्ता और उप सूचना मंत्री जबीउल्लाह मुजाहिद की यह टिप्पणी पाकिस्तान और कई अन्य देशों द्वारा अफगानिस्तान में समावेशी सरकार बनाने को लेकर की गई टिप्पणियों के बाद आया है। मुजाहिद ने डेली टाइम्स को बताया, 'पाकिस्तान या किसी अन्य देश को इस्लामिक अमीरात से अफगानिस्तान में 'समावेशी' सरकार स्थापित करने के लिए कहने का कोई अधिकार नहीं है।'

दरअसल, कुछ दिन पहले इमरान ने यह स्वीकार किया था कि इस्लामाबाद ने अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार के लिए तालिबान के साथ बातचीत शुरू की है। जिसमें देश के अल्पसंख्यक भी शामिल होंगे। इससे पहले तालिबान के एक अन्य नेता, मोहम्मद मोबीन ने भी कहा था कि अफगानिस्तान किसी को भी देश में समावेशी सरकार का आह्वान करने का अधिकार नहीं देता है।

उन्होंने अफगानिस्तान के एरियाना टीवी पर एक डिबेट शो के दौरान कहा क्या समावेशी सरकार का मतलब यह है कि सिस्टम में पड़ोसियों के अपने प्रतिनिधि और जासूस हो? मोबीन का यह बयान इस बात के पुख्ता संकेत हैं कि तालिबान ऐसी सरकार के आह्वान को स्वीकर करने के मूड में नहीं है जिसमें अन्य समूहों का प्रतिनिधित्व हो।

एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने पंजाब के सीएम चुन्नी को बताया महिलाओं के लिए खतरा

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। पंजाब के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही चरणजीत सिंह चन्नी नए विवाद में घिर गए हैं। 2018 में 'मी टू मूवमेंट' के दौरान महिला आईएएस अधिकारी को अश्लील मैसेज भेजने का आरोप झेल चुके चन्नी को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने चन्नी को महिला सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। उन्होंने इस बात पर हैरानी जताई की एक महिला की अगुआई वाली पार्टी ने चन्नी को पंजाब का सीएम बनाया है।

रेखा शर्मा ने कहा, ''2018 के मी टू मूवमेंट के दौरान उनके (पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी) खिलाफ आरोप लगाए गए थे। राज्य महिला आयोग ने मामले का स्वत: संज्ञान लिया और अध्यक्ष उन्हें हटाने की मांग को लेकर धरने पर बैठीं, लेकिन कुछ नहीं हुआ।'' चन्नी तब अमरिंदर सरकार में मंत्री थे।

शर्मा ने आगे कहा, ''आज उन्हें पंजाब का मुख्यमंत्री उस पार्टी की ओर से बनाया गया है, जिसकी प्रमुख एक महिला हैं। यह धोखा है। वह महिला सुरक्षा के लिए खतरा हैं। उनके खिलाफ जांच होनी चाहिए। वह मुख्यमंत्री बनने लायक नहीं हैं। मैं सोनिया गांधी (कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष) से अपील करती हूं कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाया जाए।

साल 2018 में एक महिला आईएएस अधिकारी ने आरोप लगाया था कि चरणजीत सिंह चन्नी ने उन्हें अश्लील मैसेज बेजे थे। इसके बाद पंजाब महिला आयोग

की अध्यक्ष मनीषा गुलाटी ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगते हुए कार्रवाई करने को कहा था। चन्नी उस समय पंजाब के तकनीकी शिक्षा मंत्री थे। चन्नी के सीएम बनने के बाद एक बार फिर कई लोग इस मुद्दे को उठा रहे हैं।

तालिबान नेतृत्व से मिलने काबुल पहुंचे डब्ल्यूएचओ प्रमुख घेब्रेयेसस

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस सोमवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पहुंचे और उनकी प्रधानमंत्री मुल्ला हसन अखुंद, उनके उप प्रधानमंत्री मुल्ला बरादर और सरकारी अधिकारियों सहित तालिबान नेतृत्व के साथ बैठक होने की उम्मीद है।

टोलो न्यूज ने स्वास्थ्य मंत्री वाहिद मजरूह के हवाले से बताया कि डब्ल्यूएचओ प्रमुख के काबुल में अधिकारियों के साथ अफगान स्वास्थ्य क्षेत्र में विश्व बैंक की सहायता में कटौती और इसे फिर से शुरू करने की संभावनाओं पर भी बात करने की उम्मीद है।

टोलो न्यूज ने सूचना और संस्कृति मंत्रालय के सांस्कृतिक आयोग के सदस्य अहमदुल्ला वासीक के हवाले से कहा कि डॉ. घेब्रेयेसस प्रधानमंत्री मुल्ला हसन अखुंद, उप प्रधानमंत्री मुल्ला बरादर और कार्यवाहक कैबिनेट के कार्यवाहक विदेश मंत्री से भी मुलाकात करेंगे।

अफगानिस्तान में बम हमलों में 35 तालिबानी मिलिशिया मारे गए

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने अफगानिस्तान में तालिबान को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार बम हमलों की जिम्मेदारी ली है। आतंकी समूह के अमाक न्यूज एजेंसी ने अपने टेलीग्राम चैनल पर यह जानकारी दी।

अल अरबिया ने एजेंसी का हवाला देते हुए कहा, '(शनिवार और रविवार को) हुए विस्फोटों की एक श्रृंखला में 35 से अधिक तालिबान मिलिशिया सदस्य मारे गए या घायल हो गए।'

तालिबान अधिकारी जबीहुल्ला मुजाहिद के एक डिप्टी बिलाल करीमी ने रविवार को अफगान समाचार आउटलेट टोलो न्यूज से पुष्टि करते हुए कहा कि विस्फोटों ने जलालाबाद शहर में तालिबान के वाहनों और नंगरहार के प्रांतीय केंद्र को निशाना बनाया।

टोलो न्यूज के अनुसार, शनिवार को काबुल में हुए विस्फोट में दो लोग घायल हो गए और नंगरहार में दो विस्फोटों में लगभग 20 लोग घायल हो गए।

डेली मेल ने बताया कि अफगानिस्तान के आईएस-के गढ़ में बम विस्फोटों में दो लोगों की मौत हो गई और हमले में 20 से अधिक घायल हो गए।

तालिबान के वाहनों को निशाना बनाकर किए गए हमलों में शनिवार को पूर्वी प्रांतीय राजधानी जलालाबाद में तीन विस्फोट हुए।

आईएस-के ने पिछले महीने काबुल हवाईअड्डे पर हुए बम हमले का दावा किया था जिसमें 13 अमेरिकी नौसैनिकों समेत 170 से अधिक लोग मारे गए थे।

साथ ही शनिवार को राजधानी काबुल में एक बम विस्फोट हुआ, जिसमें दो लोग घायल हो गए।

अमेरिका ने घोषित की नई अंतरराष्ट्रीय यात्रा नीति, देश में एंट्री के लिए वैक्सीनेशन जरूरी

वाशिंगटन, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। अमेरिका ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए नई प्रणाली की घोषणा की जिसके तहत भारत सहित किसी भी देश के ऐसे लोगों को नवंबर की शुरुआत से देश में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी, जिनका पूर्ण टीकाकरण हो गया है।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 की शुरुआत में कोविड-19 महामारी के कारण विदेशी यात्रियों के अमेरिका में प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। नई प्रणाली भारत जैसे देशों पर पर लगी इस पाबंदी को समाप्त करती है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि भारत जैसे देशों में पूर्ण टीकाकरण करा चुके लोग अब अपने टीकाकरण प्रमाणपत्र के साथ अमेरिकी की यात्रा कर सकते हैं। उन्हें उड़ान भरने से पहले टीकाकरण का प्रमाणपत्र देना होगा।

कोविड-19 पर व्हाइट हाउस के रेस्पांस कोऑर्डिनेटर जेफ जिनेट्स ने पत्रकारों से कहा, 'आज हम अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए नयी प्रणाली की घोषणा कर रहे हैं। इस नयी प्रणाली में अमेरिका आने वाले विदेशी यात्रियों से कोरोना वायरस संक्रमण ना फैले यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा।'

स्कूलों को फिर खोलने की मांग पर सरकार को फैसला देने दें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली के 12वीं कक्षा के एक छात्र की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें केंद्र और राज्यों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे स्कूलों को फिर से खोलने और ऑफलाइन शिक्षण के संचालन के संबंध में समयबद्ध निर्णय लें।

न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि वह राज्यों को शारीरिक शिक्षण के लिए स्कूलों को फिर से खोलने का निर्देश नहीं दे सकते। पीठ ने कहा, 'हम अभी दूसरी लहर (कोविड) से बाहर निकले हैं। हमें नहीं पता कि स्पाइक कहां है ?'

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने जोर देकर कहा कि बच्चों को वापस स्कूल जाने की जरूरत है, लेकिन यह राज्यों द्वारा तय किया जाना है।

पीठ ने कहा कि उसके पास न तो वैज्ञानिक डेटा है और न ही देश में कोविड के बढ़ने को लेकर पूरी जानकारी है और कहा कि सरकारें बच्चों को संभावित संक्रमण के संपर्क में लाने से सावधान हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने भी कहा कि अदालत शासन को अपने हाथ में नहीं ले सकती और इन मुद्दों पर फैसला नहीं कर सकती। पीठ ने कहा, 'सरकारों को निर्णय लेने दें।'

याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता ने तर्क दिया कि मॉल और रेस्तरां खोले गए हैं, और छात्रों पर स्कूलों को बंद करने के मानसिक और मनोवैज्ञानिक नतीजों पर जोर दिया गया है।

पीठ ने कहा कि बच्चों को इन मामलों में शामिल नहीं किया जाना चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि ये मुद्दे गंभीर जटिलता से भरे हुए हैं। पीठ ने वकील से याचिका वापस लेने के लिए कहा, 'हमें नहीं लगता, हमें न्यायिक आदेश से यहां प्रवेश करना चाहिए।'

याचिकाकर्ता अमर प्रेम प्रकाश ने कहा कि वह छात्र समुदाय और देश की बिरादरी के एक बड़े निकाय, विशेष रूप से वंचित और न सुनने वाले बच्चों की भावनाओं को प्रतिध्वनित कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह स्कूलों को फिर से खोलने और पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ शारीरिक कक्षाओं को फिर से शुरू करने के मामले में केंद्र और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) की ओर से अनिर्णय और हिचकिचाहट से व्यथित है।

अधिवक्ता रवि प्रकाश मेहरोत्रा के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, 'स्कूली बच्चों को शारीरिक रूप से अपने स्कूलों में भाग लेने से दूर रखने के मनोवैज्ञानिक और वास्तविक दोनों तरह के अभाव और बुरे प्रभावों के बारे में यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा उठा है।'

चप्पल उठाने वाली होती है ब्यूरोक्रेसी : उमा भारती

भोपाल, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती ने विवादित बयान देते हुए कहा, 'नौकरशाही की कोई अहमियत नहीं होती और यह सिर्फ चप्पल उठाने वाली होती है।'

बताया जा रहा है कि उमा भारती ने शनिवार को यह बात कही थी, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वह वीडियो में कहती हुई सुनाई दे रही हैं, ''आपको क्या लगता है ब्यूरोक्रेसी नेता को घुमाती है, लेकिन ऐसा नहीं होता। अकेले में बात हो जाती है फिर नौकरशाह फाइल बनाकर लाते है। हमसे पूछो, 11 वर्ष केंद्र में मंत्री, और मुख्यमंत्री रही हूं।'' उमा भारती कहती हैं, ''ब्यूरोक्रेसी चप्पल उठाने वाली होती है, चप्पल उठाती है हमारी।''

उमा भारती का यह वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस पार्टी ने आलोचना करते हुए कहा है कि नौकरशाही के लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्हें भारती को अपने शब्द वापस लेने चाहिए।

दरअसल शनिवार को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) महासभा का प्रतिनिधिमंडल उमा भारती से मिलने भोपाल स्थित उनके आवास पहुंचा था। इस दौरान प्रतिनिधमंडल ने ओबीसी की जातिगत जनगणना और निजीकरण में आरक्षण को लेकर उन्हें 5 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा था।

वीडियो वायरल होने के बाद उमा भारती ने ट्विटर पर एक के बाद एक कई ट्वीट के जरिए सफाई दी है। उन्होंने लिखा, ''मैं मीडिया की आभारी हूं कि उन्होंने मेरा पूरा ही विडीओ दिखा दिया, क्योंकि मै तो ब्यूरोक्रेसी के बचाव में ही बोल रही थी ।

हम नेताओ में से कुछ सत्ता में बैठे निक्कमे नेता अपने निकम्मेपन से बचने के लिए ब्यूरोक्रेसी की आड़ ले लेते हैं कि ''हम तो बहुत अच्छे हैं लेकिन ब्यूरोक्रसी हमारे अच्छे काम नही होने देती'', जबकी सच्चाई यह है की ईमानदार ब्यूरोक्रेसी सत्ता में बैठे हुए मजबूत, सच्चे और नेक इरादे वाले नेता का साथ देती है। यही मेरा अनुभव है। मुझे रंज हैं की , मैंने असंयत भाषा का किया जब की मेरे भाव अच्छे थे। मैंने आज से यह सबक सीखा की सीमित लोगों के बीच अनौपचारिक बातचीत में भी संयत भाषा का प्रयोग करना चाहिए।''

सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने केंद्र से की अपील, कहा- वापस लें तीनों कृषि कानून

चंडीगढ़, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। पंजाब के पहले दलित मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार आम आदमी, ईमानदारों की है और रेत माफियाओं से मुक्त है।

मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार को तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को निरस्त करना चाहिए। पंजाब में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने सोमवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। चन्नी पंजाब में मुख्यमंत्री बनने वाले दलित समुदाय के पहले व्यक्ति हैं।

राज्य के 16वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले चन्नी ने पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने पंजाब के लोगों के लिए बहुत अच्छा काम किया है। हम उनके काम को आगे बढ़ाएंगे और वादों को पूरा करने के लिए पार्टी के 18 सूत्री एजेंडे को पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'राहुल गांधी, हरीश रावत और नवजोत सिद्धू ने एक आम आदमी को मुख्यमंत्री (मुख्यमंत्री) बनाया। मैं एक ऐसे परिवार से आता हूं जिसका घर मिट्टी और भूसे से बना था। मैं एक गरीब आदमी का प्रतिनिधि हूं, चाहे वह गरीब किसान हो या एक मजदूर। मैंने खुद एक रिक्शा खींचा। मेरे पिता का टेंट हाउस का व्यवसाय था और मैं एक रिक्शा पर कुर्सियों की आपूर्ति करता था।'

तीन बार के विधायक चन्नी ने कहा कि पार्टी सर्वोच्च है। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री सर्वोच्च नहीं हैं। कांग्रेस की विचारधारा का पालन किया जाएगा। हम सभी एकजुट होंगे।'

मुख्यमंत्री के बगल में बैठे प्रदेश पार्टी अध्यक्ष सिद्धू, रावत और उपमुख्यमंत्री-सुखजिंदर रंधावा और ओपी सोनी मौजूद थे। सिद्धू बार-बार उनका हाथ थपथपाते हुए समर्थन और स्नेह दिखा रहे थे।

किसानों और गरीबों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए चन्नी ने कहा, 'मैं किसानों को कोई नुकसान नहीं होने दूंगा। हम आज ही रेत माफिया पर फैसला लेंगे। लंबित बिलों के लिए किसी गरीब का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा।'

'हमें पंजाब को मजबूत करना है। यह किसानों का राज्य है। मैं केंद्र से कृषि कानूनों को वापस लेने की अपील करता हूं। मैं अपना सिर काट दूंगा लेकिन किसानों को कोई नुकसान नहीं होने दूंगा।'

'माफिया में शामिल लोगों को मुझसे संपर्क करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। हम आज पहली कैबिनेट बैठक में रेत माफिया को खत्म करने के लिए एक नीति लाने जा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जल्द ही पानी का बिल माफ करने और बिजली की दरें कम करने की घोषणा करेगी।

चन्नी के अलावा सुखजिंदर सिंह रंधावा और ओम प्रकाश सोनी ने भी शपथ ली जो राज्य के उप मुख्यमंत्री हो सकते हैं।

चन्नी दलित सिख (रामदसिया सिख) समुदाय से आते हैं और अमरिंदर सरकार में तकनीकी शिक्षा मंत्री थे। वह रूपनगर जिले के चमकौर साहिब विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। वह इस क्षेत्र से साल 2007 में पहली बार विधायक बने और इसके बाद लगातार जीत दर्ज की।

वह शिरोमणि अकाली दल-भाजपा गठबंधन के शासनकाल के दौरान साल 2015-16 में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी थे।

बिहार-झारखंड है एक ही परिवार : सीएम नीतीश

पटना, 20 सितम्बर (का.सं.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन द्वारा भोजपुरी और मगही को बाहरी भाषा बताने पर सोमवार को अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बिहार और झारखंड एक ही परिवार है। बिहार के लोगों को झारखंड से प्रेम है।

झारखंड के लोग भी बिहार को सम्मान देते हैं। इसलिए जिनको इस बात का एहसास नहीं है वे ही इस तरह बात बोलते हैं। यह उपयुक्त नहीं है। जनता दरबार कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से मुख्यमंत्री बात कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि झारखंड 2000 में जब बिहार से अलग हुआ तो यहां के लोगों में मायूसी थी। पर, आज बिहारवासियों में इसको लेकर कोई उदासी नहीं है। बिहार में व्यापक पैमाने पर विकास हुआ है। पहले झारखंड में बड़ी संख्या में बिहार के लोग रोजी रोजगार के लिए जाते थे, पर आज यही स्थिति नहीं है।

सीएम सोरेन इस बयान को लेकर भाजपा शुरू से सीएम सोरेन पर हमलावर है। भाजपा के कई नेता सीएम सोरेन पर भाषा के मुद्दे पर निशाना साध रहे हैं। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष गंगोत्री कुजूर ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा भोजपुरी भाषा को लेकर की गई टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं भवनाथपुर विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि सीएम का बयान इनकी संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन केवल उर्दू को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं।

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि लालू प्रसाद और कांग्रेस भाषा के मुद्दे पर रुख साफ करें। प्रधानमंत्री मोदी के हाथों हिन्दी सहित सभी भारतीय भाषाओं का हित सुरक्षित है। मंगलवार को ट्वीट कर मोदी ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मगही-भोजपुरी के विरुद्ध बोल कर जो भाषाई असहिष्णुता प्रकट की, वह एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए सर्वथा अनुचित, अशोभनीय और निंदनीय है। ऐसी शर्मनाक टिप्पणी के लिए हिंदी दिवस को चुनना बिहार और सभी हिंदी प्रेमियों का अपमान है। कहा कि भोजपुरी बोलकर वोट लेने वाले लालू प्रसाद बतायें कि क्या वे हेमंत सोरेन के बयान का समर्थन करते हैं ? सोरेन सरकार में शामिल कांग्रेस और राजद को भाषा के सवाल पर अपना रुख साफ करना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि बिहार पहला राज्य है, जिसने सभी भाषाओं-बोलियों को साथ लेकर चलने वाली हिंदी को आधिकारिक राजभाषा के रूप में स्वीकार किया।

पूसी रेलवे ने शुरू किया स्वच्छता पखवाड़ा

मालीगांव, 20 सितम्बर । पूर्वोत्तर सीमा रेल ने स्वच्छता के संबंध में जागरुकता बढ़ाने के लिए 16 सितम्बर से स्वच्छता पखवाड़ा अभियान की शुरुआत की। यह अभियान 30 सितम्बर, 2021 तक जारी रहेगा। समुचित स्वच्छता को बनाए रखने, स्टेशन तथा रेल की पटरियों को साफ रखने के लिए खुले में शौच न करने के प्रति प्रोत्साहित करने के संबंध में लोगों को जागरुक करने के लिए इस अभियान की शुरुआत की गई। पखवाड़ा के दौरान स्टेशनों, ट्रेनों, रेल की पटरियों, कॉलोनियों तथा अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों की सघन सफाई एवं स्वच्छता कार्य किया जा रहा है। यह जानकारी यहां एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

पहले दिन, सभी मंडलों में बड़ी संख्या में कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने स्वच्छता की शपथ ली एवं श्रमदान कार्यक्रम में शामिल हुए। रेलवे कर्मियों, उनके परिवार के सदस्यों तथा यात्रियों के बीच जागरुकता फैलाने के लिए पहले दिन से ही रेलवे कॉलोनियों, कार्य स्थलों तथा स्टेशन परिसर में विभिन्न क्रिया-कलापों का आयोजन किया गया।

प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने, अच्छी स्वच्छता की आदतों का पालन करने के साथ खुले में शौच न करने तथा बॉयो टॉयलेट के उपयोग करने के संबंध में सभी हिस्सेदारों को सूचित, शिक्षित और जानकारी देने संबंधी कई कार्यक्रमों का आयोजन इस अवधि के दौरान किया गया। पूसी रेल के अन्य स्थानों में से स्टेशन तथा स्टेशन परिसर, ट्रेनों, रेलवे कॉलोनियों जैसे विभिन्न स्थानों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस विशेष अभियान के दौरान अलग-अलग कूड़ेदानों की व्यवस्था कर कचरों के पृथकीकरण और पेय जल की स्वच्छता तथा गुणवत्ता की जांच की जाएगी।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण .....

कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

20 सितंबर को हिन्दी सप्ताह के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समापन समारोह के दौरान सरकारी कामकाज में मूल रूप से हिन्दी टिप्पणी आलेखन के लिए प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत विजेताओ के भी नाम डॉ. पंकज सैनी द्वारा घोषित किए गए।

इनामी नक्सली गुरिल्ला गिरफ्तार, विस्फोटक जब्त

रांची, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। झारखंड के गुमला जिले में पुलिस ने एक लाख रुपये के इनामी नक्सली गुरिल्ला को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, गुमला जिले के करुमगढ़ थाना क्षेत्र के मारवा जंगल से राकेश उरांव उर्फ मनकी उरांव को पकड़ने के लिए एक लाख रुपये का इनाम रखा गया था। वह प्रतिबंधित नक्सली संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से जुड़ा हुआ है।

वह गुमला जिले में पुलिसकर्मियों पर हमले सहित 12 से अधिक मामलों का सामना कर रहा है।

पुलिस के मुताबिक, उरांव लंबे समय से वांछित था। उरांव को गिरफ्तार करने के लिए एक खोज दल को सेवा में लगाया गया था।

पुलिस ने उसके पास से एक रिवॉल्वर, जिंदा कारतूस, 50 नॉन इलेक्ट्रिकल डेटोनेटर, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 20 मीटर सेफ्टी फ्यूज वायर और अन्य आपत्तिजनक चीजें जब्त की हैं।

झारखंड के 24 में से 18 जिलों में नक्सली सक्रिय हैं।

Email:spcbsikkim@gmail.com

STATE POLLUTION CONTROL BOARD SIKKIM
FOREST AND ENVIRONMENT DEPARTMENT
GOVERNMENT OF SIKKIM
DEORALI, GANGTOK – 737102

F. No. 820/SPCB/3153 **Dated:06/09/2021**

NOTICE

This is for information of all concerned that, the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India has notified the revised guidelines for Idol Immersion. Idols made up of only natural, biodegradable, eco-friendly raw materials without any toxic, inorganic raw materials such as traditional virtuous clay and mud should be encouraged, allowed & promoted and dried flower components, straw for making ornaments of idols and natural resins of trees may be used as a shining material for making idols attractive.

Use of single use plastic and thermocol materials and use of toxic and non-biodegradable chemical dyes/ oil paints for painting idols shall be strictly prohibited. Enamel and synthetic dye based paints on idols are to be discouraged.

Low height and eco friendly idols (made with natural clay idols stuffed with eco-friendly food materials such as corn, spinach, wheat and vegetable powder), idols decorated with bio-degradable, organic colours and non-toxic should be used for offering in poojas to avoid impact on the environment. For the protection of the environment the Pooja Organising Committees shall procure eco-friendly idols only from the respective ULBs registered or authorized craftsman or artisans. Use of clean multiuse metallic or glass utensils is ideal choice and only biodegradable plates may be used for Prasad distribution and other purpose.

Large scale idol manufactures (atleast involved in making more than 100 idols in a day) shall obtain registration from the concerned ULBs. Pooja Organising Committees should seek prior permission from concerned ULB as the case may be providing management plan and the required provisions for ensuring safe idol immersion during festival season at least one month in advance for making necessary arrangements in consultation with the concerned departments.

For further details, please contact State Pollution Control Board, Department of Forest and Environment, Government of Sikkim, Deorali, East Sikkim.

Member Secretary,
State Pollution Control Board-Sikkim,
Department of Forest & Environment
Government of Sikkim,
Deorali, Gangtok

R.O. No. 171/IPR/PUB/Classi/2122, DT.: 06.09.2021

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 02:00 PM

DEAR GANGA MORNING

Draw No:43 DrawDate on:20/09/21

1st Prize ₹1 Crore/- 60E 28084

Cons. Prize Rs.1000/- 28084 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

03650 08766 21288 57410 60789 61856 70064 70825 77045 98709

3rd Prize ₹450/-

2077 2266 2356 3264 4126 5148 5602 5833 8626 9270

4th Prize ₹250/-

1658 1947 3372 3586 3598 4078 5289 7293 7558 9928

5th Prize ₹120/-

0015 0094 0283 0390 0521 0696 0879 0888 1137 1181
1187 1211 1385 1402 1513 1540 1654 1760 1906 1914
1920 2072 2224 2375 2420 2650 2660 2701 2736 2781
3026 3029 3071 3301 3506 3507 3666 3884 4011 4150
4541 4576 4804 4820 5076 5080 5091 5188 5251 5347
5668 5791 6049 6050 6320 6321 6374 6440 6549 6585
6677 6829 6914 6997 7028 7065 7122 7188 7205 7225
7317 7382 7396 7556 8073 8100 8190 8303 8321 8337
8405 8539 8578 8725 8966 8989 9126 9150 9156 9449
9528 9589 9601 9627 9642 9682 9700 9831 9955 9969

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 02:00 PM
DEAR GANGA MORNING
Draw No:43 DrawDate on:20/09/21
1st Prize ₹1 Crore/- 60E 28084
Cons. Prize Rs.1000/- 28084 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
03650 08766 21288 57410 60789 61856 70064 70825 77045 98709
3rd Prize ₹450/-
2077 2266 2356 3264 4126 5148 5602 5833 8626 9270
4th Prize ₹250/-
1658 1947 3372 3586 3598 4078 5289 7293 7558 9928
5th Prize ₹120/-
0015 0094 0283 0390 0521 0696 0879 0888 1137 1181
1187 1211 1385 1402 1513 1540 1654 1760 1906 1914
1920 2072 2224 2375 2420 2650 2660 2701 2736 2781
3026 3029 3071 3301 3506 3507 3666 3884 4011 4150
4541 4576 4804 4820 5076 5080 5091 5188 5251 5347
5668 5791 6049 6050 6320 6321 6374 6440 6549 6585
6677 6829 6914 6997 7028 7065 7122 7188 7205 7225
7317 7382 7396 7556 8073 8100 8190 8303 8321 8337
8405 8539 8578 8725 8966 8989 9126 9150 9156 9449
9528 9589 9601 9627 9642 9682 9700 9831 9955 9969
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 02:00 PM
DEAR GANGA MORNING
Draw No:43 DrawDate on:20/09/21
1st Prize ₹1 Crore/- 60E 28084
Cons. Prize Rs.1000/- 28084 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
03650 08766 21288 57410 60789 61856 70064 70825 77045 98709
3rd Prize ₹450/-
2077 2266 2356 3264 4126 5148 5602 5833 8626 9270
4th Prize ₹250/-
1658 1947 3372 3586 3598 4078 5289 7293 7558 9928
5th Prize ₹120/-
0015 0094 0283 0390 0521 0696 0879 0888 1137 1181
1187 1211 1385 1402 1513 1540 1654 1760 1906 1914
1920 2072 2224 2375 2420 2650 2660 2701 2736 2781
3026 3029 3071 3301 3506 3507 3666 3884 4011 4150
4541 4576 4804 4820 5076 5080 5091 5188 5251 5347
5668 5791 6049 6050 6320 6321 6374 6440 6549 6585
6677 6829 6914 6997 7028 7065 7122 7188 7205 7225
7317 7382 7396 7556 8073 8100 8190 8303 8321 8337
8405 8539 8578 8725 8966 8989 9126 9150 9156 9449
9528 9589 9601 9627 9642 9682 9700 9831 9955 9969
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

नेतृत्व परिवर्तन

पंजाब में लंबे समय से जो रस्साकशी और उथलपुथल चल रही थी, उसी का नतीजा है कि विधानसभा चुनावों से पांच महीना पहले राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की नौबत आ गई। कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफा देने के बाद मुख्यमंत्री बनाए जा रहे चरणजीत सिंह चन्नी से पार्टी को यह उम्मीद जरूर रहेगी कि वह आने वाले चुनावों में उसकी सत्ता में वापसी कराएंगे, लेकिन इस उम्मीद का पूरा होना इतना आसान है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन वजहों से कांग्रेस विधानसभा चुनावों से ठीक पहले इस बवंडर में फंसी, क्या वह उनसे पीछा छुड़ा चुकी है?

निश्चित रूप से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच की अनबन सारी सीमाएं पार कर चुकी थी, लेकिन कैप्टन के इस्तीफे की पूरी जिम्मेदारी सिद्धू पर नहीं डाली जा सकती। कैप्टन की कार्यशैली को लेकर पार्टी में नाराजगी काफी पहले से थी। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इस असंतोष से अवगत रहा है। उसकी समस्या यह रही कि सब कुछ जानते समझते हुए भी वह समय पर फैसला नहीं कर सका। 79 साल के कैप्टन के भरोसे प्रदेश पार्टी को ज्यादा समय तक नहीं छोड़ा जा सकता था। नए नेतृत्व की जरूरत पार्टी को थी ही। इसके बावजूद कांग्रेस की सोच यह थी कि आने वाले विधानसभा चुनाव कैप्टन के ही नेतृत्व में लड़ा जाए। सिद्धू को प्रदेश पार्टी अध्यक्ष बनाकर यह मान लिया गया कि चुनावों तक दोनों साथ मिलकर काम करेंगे।

तय हुआ कि नेतृत्व परिवर्तन के सवाल पर आखिरी फैसला चुनावों के बाद किया जाएगा। मगर हाईकमान की यह व्यवस्था कितनी अव्यावहारिक थी, यह पिछले दो महीने के घटनाक्रम ने पूरी तरह स्पष्ट कर दिया। अभी चुनावी प्रक्रिया शुरू भी नहीं हुई थी, टिकट बंटवारे का सवाल उठा भी नहीं था लेकिन चाहे कैप्टन हों या विरोधी खेमा- दोनों संगठन पर पूरा कब्जा करने के लिए दूसरे पक्ष पर निर्णायक बढ़त कायम कर लेने में लग गए। यही वजह रही कि आलाकमान के संकेत देने के बावजूद युद्धविराम नहीं हो सका। असंतुष्ट विधायक बार-बार दिल्ली पहुंचते रहे, मुख्यमंत्री बदलने के लिए दबाव बनाते रहे।

आखिरकार शनिवार को विधायक दल की बैठक बुलाई गई, जिसमें अपनी हार निश्चित देख कैप्टन ने इस्तीफा दे दिया। लेकिन अब अहम सवाल यह है कि क्या चन्नी के आने से पार्टी के अंदर अलग-अलग गुटों के बीच की रस्साकशी थम जाएगी या आगे टिकट बंटवारे के समय भी गुल खिलाएगी? दूसरी बात यह कि कैप्टन ने मुख्यमंत्री पद भले छोड़ा हो, उनकी अगली चाल का सस्पेंस बना हुआ है। वह पार्टी में कैसी भूमिका निभाते हैं, कब तक रहते हैं और पार्टी छोड़ते हैं तो कहां जाते हैं, जैसे सवालों पर सबकी नजर बनी रहेगी। केवल कांग्रेस ही नहीं प्रदेश राजनीति के समीकरण भी काफी कुछ इन सवालों के जवाब पर निर्भर करेंगे।

संपादकीय पृष्ठ

आयुर्वेद और योग जैसी भारत की परंपराओं का गौरव

सर्बानंद सोणोवाल
केंद्रीय मंत्री

भारतीय चिकित्सा पद्धति सहस्राब्दी पुरानी है और यह समग्र स्वास्थ्य प्रदान करती है। स्वास्थ्य प्रतिमान में परिवर्तन ने पिछले कुछ वर्षों में आयुष प्रणालियों (अर्थात आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी) में सबकी रुचि एक बार फिर से बहुत बढ़ी है। स्वास्थ्य देखभाल में बहुलवादी दृष्टिकोण के प्रोत्साहन से तथा राज्य के संरक्षण ने सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की दिशा में आयुष की प्रगति को बल दिया है। अपनी मूल शक्तियों को बनाए रखते हुए, आयुष ट्रांसडिसिप्लिनरी और ट्रांसलेशनल दृष्टिकोण के साथ नैदानिक साक्ष्यों को उजागर कर रहा है। 2014 में स्थापित आयुष मंत्रालय ने माननीय प्रधान मंत्री के 'नए भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने में आयुष की भूमिका को बढ़ाया है।

फार्माकोपिया जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में हो रहे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सहयोग भारतीय पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों की तेज़ी से बढ़ती स्वीकृति का संकेत है। यह समूचे आयुष क्षेत्र को एकाधिक तरीकों से प्रभावित करने वाला है। फार्माकोपिया कमीशन फॉर इंडियन मेडिसिन एण्ड होम्योपैथी (पीसीआईएमएच) और अमेरिकन हर्बल फार्माकोपोइया (एएचपी) के बीच हाल ही में हुए करार (एमओयू) से इसकी पुष्टि होती है। ऐसी ही अनेक प्रमुख प्रमुख पहलों में कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में आयुष की भूमिका शामिल है। आयुष मंत्रालय ने महामारी के प्रभाव को कम करने में आयुष प्रणालियों की क्षमता का दोहन करते हुए कई अनुसंधान एवं विकास तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी पहलें की हैं। सरकार ने प्रतिरक्षा में सुधार के उपायों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने और आम जनता के लिए आसानी से सुलभ घरेलू उपचार की सलाह देने के लिए 'आयुष फॉर इम्युनिटी' जैसे विभिन्न दिशानिर्देश, सलाह और अभियान शुरू किए हैं। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली जैसे संस्थानों को आयुष दिशानिर्देशों के अनुसार कोविड-19 के हल्के से मध्यम मामलों के प्रबंधन के लिए समर्पित कोविड स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया। मंत्रालय ने आयुष पर साक्ष्य-आधारित अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कई संगठनों के साथ साझेदारी की। मंत्रालय ने आईसीएमआर, डीबीटी, सीएसआईआर, एम्स सहित प्रमुख संगठनों के वैज्ञानिकों, पल्मोनोलॉजिस्ट, महामारी विज्ञानियों, फार्माकोलॉजिस्ट आदि से मिलकर एक अंतर-अनुशासनात्मक आयुष आर एंड डी टास्क फोर्स का गठन किया और कोविड-19 के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद और योग पर राष्ट्रीय नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल जारी किया।

देश भर के 152 केंद्रों पर कोविड-19 में 127 से अधिक शोध अध्ययन शुरू किए गए। इनमें से कुल 90 अध्ययन पूरे हो चुके हैं, और 15 लेख प्रकाशित हो चुके हैं, जबकि 20 प्रीप्रिंट भी प्रकाशित हो चुके हैं। इन अध्ययनों ने कोविड के लिए आयुष दवाओं की रोगनिरोधी क्षमता के संदर्भ में बहुत आशाजनक परिणाम दिखाए हैं। आयुष-64 जैसी आयुष औषधि के संदर्भ में यह याद रखने वाली बात है कि स्टैंडअलोन या देखभाल के मानक के सहायक के रूप में इस दवा के प्रयोग ने बेहतर परिणाम दिए हैं। क्लीनिकल परीक्षणों में हल्के से मध्यम कोविड -19 रोगियों में शीघ्र नैदानिक सुधार के लिए, शीघ्र नकारात्मक आरटी-पीसीआर परिणाम, अस्पताल में रहने की अवधि में कमी, बीमारी के गंभीर चरण की ओर बढ़ने और जटिलताओं में प्रगति में रोकथाम हुई है, और जीवन की गुणवत्ता में सुधार दिखा है। मंत्रालय ने अस्पताल के बाहर रहकर इलाज कराने वाले कोविड रोगियों के लाभ के लिए पॉलीहर्बल दवाओं आयुष-64 और (सिद्ध की) काबासुरा कुडीनीर के वितरण के लिए एक व्यापक राष्ट्रव्यापी अभियान भी शुरू किया। दिल्ली पुलिस के 80,000 फ्रंटलाइन कर्मियों की कोविड-19 के खिलाफ प्रतिरक्षा बढ़ाने और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नाक में लगाने के लिए अनु तैल, काढ़ा (हर्बल चाय), 'संशमणि' टैबलेट (गिलोय से बनी) युक्त 'आयुरक्ष किट' दी गई और इसने दिखाया कि इतना अधिक जोखिम होने के बावजूद केवल 48 प्रतिशत कर्मी ही वायरस से संक्रमित हुए।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय द्वारा विकसित आयुष संजीवनी मोबाइल ऐप ने लगभग 1.5 करोड़ उत्तरदाताओं में कोविड-19 की रोकथाम में आयुष सलाह और उपायों की प्रभावशीलता, स्वीकृति और उपयोग के प्रभाव का मूल्यांकन करते हुए आंकड़े जुटाए। इससे पता चला कि आबादी के एक अच्छे अनुपात ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में इसका उपयोग किया है। 85.1ज उत्तरदाताओं ने कोविड -19 की रोकथाम के लिए आयुष उपायों के उपयोग की सूचना दी, जिनमें से 89.8ज उत्तरदाताओं ने आयुष गाइडलाइन को आजमाने से लाभान्वित होने पर सहमति व्यक्त की। मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड -19 का सामना करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में आयुष के एकीकरण के आकलन के लिए पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से एक अध्ययन करने के लिए तकनीकी समझौता भी किया है। मंत्रालय ने जनता को कोविड-19 के प्रबंधन में आयुष आधारित समाधानों की जानकारी देने के लिए एक समर्पित सामुदायिक सहायता हेल्पलाइन नंबर 14443 भी शुरू किया है।

केंद्रीय बजट 2021-22 में आयुष का हिस्सा छ2122.08 करोड़ से बढ़कर छ2,970.30 करोड़ (यह 40ज की वृद्धि दर्शाता है) हुआ, इसने जो हौसला बढ़ाया है, उससे समूचा आयुष क्षेत्र लाभ उठा सकेगा।

आयुष मंत्रालय की अनेक बड़ी पहलों के कारण कोविड काल ही में आयुष उद्योग में भी महत्वपूर्ण विस्तार हुआ दिखता है। इस क्षेत्र में 44ज की वृद्धि देखी गई है। कोविड -19 के प्रकोप के बाद से कुछ विशिष्ट आयुष उत्पादों की मांग में 500 से 700 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसमें गुडूची घन वटी, अनु तैल, महासुदर्शन घन वटी, तुलसी जैसे प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले उत्पाद शामिल हैं, जबकि च्यवनप्राश उत्पादों में 700 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है और अश्वगंधा के निर्यात में पिछली अवधि की तुलना में तीन गुना वृद्धि हुई है। ये आंकड़े जनता के बीच आयुष प्रणालियों की व्यापक मान्यता और सार्वजनिक स्वीकृति को रेखांकित करते हैं।

यह भी सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपना ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन स्थापित करने के लिए भारत को चुना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेडरॉस ने 13 नवंबर 2020 को 5वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में एक वीडियो संदेश दिया और आयुष्मान भारत के तहत सार्वभौमिक कवरेज और स्वास्थ्य संबंधी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए साक्ष्य-आधारित पारंपरिक औषधियों के प्रचार के लिए भारत के प्रधान मंत्री की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

योग ने हाल के वर्षों में जीवनशैली के हिस्से के रूप में और कल्याणकारी स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में दुनिया में अपनी छाप छोड़ा है। इसी का परिणाम है कि 27 नवंबर, 2020 को राष्ट्रीय योग खेल महासंघ (एनवाईएसएफ) के अन्तर्गत योग को एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई।

बदलती हुई जीवनशैली की जरूरतों और योग के क्षेत्र में उभर रही बेहतर संभावनाओं के कारण हाल के समय में योग की डिग्री भी मुख्यधारा की अन्य तमाम डिग्रियों की तरह प्रचलित होने लगी है। इसका एक प्रमाण है 2013 में शुरू हुआ गुजरात का लकुलिश योग विश्वविद्यालय, जिसमें प्रवेश लेने वालों की संख्या में वर्ष 2018 में तीन गुना वृद्धि देखी गयी।

योग के अभ्यास को डिजिटल रूप से प्रचारित करने के लिए मंत्रालय ने 'नमस्ते योग ऐप' भी जारी किया है जो लोगों को योग से संबंधित जानकारी, योग कार्यक्रमों और योग कक्षाओं का डिजिटल रूप से लाभ लेने में सक्षम बनाता है। हाल ही में जारी किया गया योग-ब्रेक ऐप भी समय की कमी से जूझ रहे कामकाजी लोगों के लिए बहुत काम का है। इस ऐप के माध्यम से पांच मिनट में चुनिंदा योगाभ्यास से व्यक्ति स्वयं को तनाव-मुक्त कर सकता है, फिर से ऊर्जावान महसूस कर सकता है और अपने काम पर केन्द्रित करने के लिए तैयार हो सकता है।

आयुष के लिए माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मन में विशेष स्थान है। उसी उसी के अनुरूप केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में 4,607.30 करोड़ रुपये के प्रावधान के साथ राष्ट्रीय आयुष मिशन को केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में 2026 तक जारी रखने की मंजूरी दी। इससे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी के लिए स्वास्थ्य और कल्याण के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्राथमिक स्तर पर बेहतर आयुष स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार करने में मदद मिलेगी।

बुनियादी सवालों पर संसद में मुठभेड़

सिंह बेचैन

जनहित और जनकल्याण के युगांतरकारी अनेक विधेयक संसद में पारित हुए हैं। संसद की सकारात्मक भूमिकाओं का एक इतिहास है। पर इन दिनों हमारे माननीय मंत्रीगण, सांसद और विधायक सदनों में जिस तरह लड़ते-झगड़ते हैं, शायद ही किसी लोकतांत्रिक देश में वैसी मुठभेड़ें होती हों। मुठभेड़ हमेशा नकारात्मक अर्थ में ही नहीं होती, उसके सकारात्मक प्रयोजन भी होते हैं। मौजूदा हालात में कुछ योजनागत कार्यों, मुद्दों और जनाधिकारों के लिए भी कोई सांसद सवाल-जवाबों की मुठभेड़ करता है, तो वह अपने दायित्वबोध को ही प्रकट करता है। इस दृष्टि से अंग्रेजी में आई और एक साथ कई भाषाओं में अनूदित हो रही भालचंद्र मुंगेकर की पुस्तक माई एनकाउंटर इन पार्लियामेंट एक अच्छी नजीर पेश करती है।

इसे पढ़ना भी मुठभेड़ से ही गुजरना है। सांसद मुंगेकर राज्यसभा में कमजोर वर्ग के प्रतिनिधि के तौर पर आए थे। माननीय सांसद की यह कोई साहित्यिक कृति नहीं है। हालांकि उनकी आत्मकथा मेरी हकीकत ने मराठी साहित्य में अलग पहचान बनाई है। वह आंबेडकरवादी शिक्षाविद हैं, योजना आयोग के सदस्य रह चुके हैं और मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति तथा एडवांस्ड स्टडी, शिमला के चेयरपर्सन भी रहे हैं। संसद में वह उस परंपरा के वाहक हैं, जिसमें दलितों, आदिवासियों के हक में मुठभेड़ करने वाले डॉ. आंबेडकर के बाद कई नेता आए, पर वैचारिक मुहिम में वे कमजोर रहे।

दलित, आदिवासियों की ओर से यह शिकायत आम रहती है कि कोटे से संसद में जाने वाले उनके प्रतिनिधि उनके सवालों को लेकर सरकारों से मुठभेड़ नहीं करते। वे जिन दलों से चुनकर जाते हैं, उनके लिए ही काम करते नजर आते हैं। वे दलित उत्पीड़न, दुर्लभ होती शिक्षा, व्यवसाय और कला-संस्कृति के तमाम लोकतांत्रिक क्षेत्रों में सांविधानिक भागीदारी के लिए कोई मुठभेड़ नहीं करते। कई दफा वे मौलिक अधिकारों के सवाल तक नहीं उठाते। हम संसद में नकारात्मक मुठभेड़ें देखने के अभ्यस्त होते जा रहे हैं। हाल में हमने सांसद बनाम मार्शल मुठभेड़ देखी ही है। पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना ने संसद में गुणवत्तापूर्ण बहस' न होने को खेदजनक माना। उनका कहना था कि गुणवत्तापूर्ण बहस की कमी के कारण इन दिनों बनाए जा रहे कानूनों में स्पष्टता की कमी है।

ऐसे समय में हमें उन सांसदों और मंत्रियों के उदाहरण सामने लाने चाहिए, जिन्होंने संसद में न केवल स्वस्थ व गुणवत्तापूर्ण बहसें कीं, बल्कि सार्थक मुद्दे उठाए। एक नजीर प्रो. मुणगेकर की दस्तावेजी किताब है, जिसमें दर्ज है कि जब दलितों-आदिवासियों के विकास के लिए मुकर्रर किए गए बजट की मांग उठी थी, तब 7,044 करोड़ रुपये राष्ट्रमंडल खेलों के लिए (2010) खर्च कर दिए गए थे। वह मुद्दा सांसदों के लिए मुठभेड़ की वजह बना था, क्योंकि वह धन दलितों-आदिवासियों के कल्याण पर खर्च होना था। मुठभेड़ संख्या तीन में सांसद ने निजी व पेशेवर संस्थानों और डीम्ड यूनिवर्सिटीज में फीस निर्धारण और शिक्षा की स्थिति में सुधार लाने के लिए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई और खासकर 12 वीं पंचवर्षीय योजना में एससी, एसटी, ओबीसी और गरीब मुस्लिम वर्गों के बालक-बालिकाओं के लिए गुणकारी और समान-शिक्षा निर्धारण के लिए सदन में तथ्यों-आंकड़ों के साथ मुठभेड़ की। मुठभेड़ संख्या चार खैरलांजी के संदर्भ में की गई, जिसमें कहा गया कि 'देश की एक चौथाई आबादी यानी एससी, एसटी को शिक्षा, संपत्ति और समाज व्यवस्था में हाशिये पर धकेल कर देश का विकास होना संभव नहीं है। इनके खिलाफ उत्पीड़न के करीब डेढ़ लाख मामले दर्ज हैं' और दलित ऐक्ट प्रभावी नहीं दिख रहा।

मुंगेकर के मुताबिक, हम हिंदी में पढ़ाई कर अपने पैरों पर खड़े होना चाहते हैं, पर हिंदी सप्ताह मनाने में ही अपने कर्तव्य की इतिश्री करते आ रहे हैं। हम विज्ञान, इंजीनियरिंग, मेडिकल, कानून आदि की पढ़ाई हिंदी में कराने की बात करते हैं, पर वास्तविकता हमें आईना दिखाती है। हिन्दी के खिलाफ अंग्रेजी वालों का उपेक्षा भाव किसी से छिपा नहीं है। क्या हमें भूल जाना चाहिए कि 2012 में एक आदिवासी छात्र अनिल कुमार मीना ने एम्स में आत्महत्या की थी, क्योंकि हिंदी माध्यम से एमबीबीएस की परीक्षा विशेष योग्यता के साथ पास करने वाले मीना को उसके सीनियरों ने हिन्दी को लेकर परेशान किया था? हम डॉ. पायल तड़वी और रोहित वेमूला की आत्महत्याओं को इससे संबद्ध न करें, तब भी वंचित वर्गों के हक में विभिन्न शिक्षा संस्थानों में स्वस्थ वातावरण निर्मित करना अपेक्षित तो है ही। कुल 216 पृष्ठों वाली और 45 मुठभेड़ों की इस दस्तावेजी किताब की हर पंक्ति संसद में बोलती, सवाल उठाती-सी महसूस होती है।

दाखिलें की मुश्किलें

नारायण कृष्णमूर्ति

पिछले दो सत्र स्कूली छात्रों के लिए बेहद कठिन रहे हैं। शैक्षिक सत्र 2019-20 सीबीएसई के 12वीं के छात्रों के लिए फिर भी उतना भ्रमित करने वाला नहीं था, जितना कि 2020-21 का सत्र रहा। पिछला पूरा साल देश कोविड से जूझता रहा, जिस कारण स्कूल बंद रहे और छात्रों को तनाव से जूझना पड़ा। तिस पर बदतर यह कि एकाधिक कारणों से 12वीं के रिजल्ट में विलंब से आशंकाएं बनी रहीं। इसके बावजूद 12वीं का रिजल्ट घोषित होते ही कई रिकॉर्ड बन गए। इस साल पहली बार 12वीं कक्षा के 99 फीसदी छात्र पास हुए। जबकि वर्ष 2019 में 83 फीसदी और 2020 में 90 प्रतिशत छात्र बारहवीं में उत्तीर्ण हुए थे।

इस साल 99 प्रतिशत छात्रों के पास होने का कारण यह है कि 12वीं की परीक्षा न होने के कारण छात्रों के 10वीं, 11वीं और 12वीं के स्कूल के ग्रेड के अनुसार 12वीं का रिजल्ट तैयार किया गया। इस साल 12वीं में कुल 13,04, 561 छात्र थे, जिनमें से 12,96,318 छात्र उत्तीर्ण हुए, जबकि 0.67 फीसदी छात्र पास नहीं कर पाए। छात्रों की इस संख्या में स्कूल बोर्डों से उत्तीर्ण हुए 12वीं के 1.3 करोड़ छात्रों को भी जोड़ना होगा, जो कॉलेजों में प्रवेश के लिए तैयार हैं। उत्तीर्ण हुए छात्रों की रिकॉर्ड संख्या और सभी विषयों में मिले ऊंचे अंकों को देखते हुए इस साल कॉलेज में दाखिला बहुत कठिन होगा।

चूंकि परीक्षा में छात्र अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और ऊंचे अंक पाने वाले छात्रों की संख्या इस बार भी बहुत अधिक है, इस कारण छात्रों को इस बार अपनी पसंद के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में दाखिला लेना कठिन होगा। उदाहरण के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय में इस समय 65,000 सीटें ही हैं, और अब हर साल यहां के कॉलेजों में औसत कट-ऑफ 85 से 100 फीसदी के बीच होता है। ऐसे में कल्पना की जा सकती है कि 12वीं कक्षा में 95 प्रतिशत पाने वाले कुल 70,000 में से 5,000 छात्रों को जब दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश नहीं मिलेगा, तब उन्हें कैसी निराशा होगी। हालांकि बहुत से लोगों का मानना है कि 99 फीसदी छात्रों के पास होने के बावजूद कोविड की पृष्ठभूमि के कारण इस बार कॉलेज में छात्रों के दाखिले की भीड़ तुलनात्मक रूप से कम होगी, इस कारण ऊंचे कट-ऑफ की ज्यादा चिंता नहीं है।

लेकिन सिर्फ यही नहीं कि 90 फीसदी और उससे अधिक अंक पाने वाले अनेक छात्रों को उनके पसंदीदा कॉलेजों में दाखिला नहीं मिलेगा, बल्कि ऐसे छात्रों की संख्या भी बहुत होगी, कम अंक पाने के कारण उच्च शिक्षा का जिनका सपना पूरा नहीं हो सकेगा। बेशक अनेक छात्र निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेने में सफल होंगे। लेकिन निजी विश्वविद्यालयों की फीस चूंकि बहुत अधिक होती है, लिहाजा अनेक परिवारों के लिए अपने बच्चों को वहां दाखिला दिलवा पाना संभव नहीं होगा। चूंकि पिछले साल कोविड महामारी के दौरान लगाए गए लॉकडाउन के चलते अनेक परिवारों ने नौकरियां खोई हैं, इस कारण अनेक छात्र आर्थिक परेशानियों को देखते हुए कॉलेज में दाखिला नहीं ले पाएंगे।

इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसे पेशेवर कोर्सेज में विलंब से दाखिला होने के कारण छात्रों के ख्रलेसमेंट पर भी दबाव पड़ा है, साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित प्रोफेशनलों की आपूर्ति शृंखला पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ा है। उदाहरण के लिए, मेडिकल की इंट्रेंस (प्रवेश) परीक्षा में विलंब होने का असर छात्रों के पास होकर निकलने, पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) कोर्स में उनके दाखिला होने और फिर पास होने पर पड़ेगा। नतीजतन कार्य बल को प्रशिक्षित श्रेष्ठ प्रतिभाओं के अभाव तथा प्रशिक्षित प्रतिभाओं की कमी की दोहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। वास्तविकता यह है कि ज्यादातर जूनियर डॉक्टरों के पास पिछले एक साल से मरीजों की देखभाल और इलाज करने का कोई अनुभव ही नहीं है। और पिछले एक साल के दौरान कुछ जूनियर डॉक्टरों को जिन मरीजों के इलाज करने का अवसर मिला है, उनमें से भी ज्यादातर कोविड के मरीज ही थे। ऐसे में, पास करके निकलने वाले डॉक्टरों की गुणवत्ता का मामला भी हमारी चिंता का कारण है।

मैंने पहले भी इस बारे में कहा है, और आज फिर यह दोहरा रहा हूं कि कॉलेज और विश्वविद्यालयी शिक्षा में व्यावहारिक अनुभव शामिल करने का यही उचित अवसर है। ऐसे पाठ्यक्रमों में दाखिला लेना छात्रों के लिए बेहद उपयोगी होगा, जो न केवल उन्हें हुनरमंद बनाए, बल्कि जो रोजगार के बाजार को देखते हुए उनके लिए उपयोगी भी हो। पिछले अनेक वर्षों से उद्योग क्षेत्र के अनेक दिग्गजों ने विश्वविद्यालयों से निकलने वाले छात्रों की खराब गुणवत्ता को रेखांकित किया है। ऐसे में, प्रतिभाशाली छात्रों को तो कार्य क्षेत्र में अच्छे अनुभव हासिल होते हैं, लेकिन मध्यम और औसत से कम प्रतिभा वाले छात्रों को अपने जीवन और कार्यक्षेत्र में भीषण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

आज के इस दौर में औसत से थोड़े ऊपर और औसत से नीचे की प्रतिभा वाले छात्रों की दुर्दशा की कल्पना करें-12वीं की परीक्षा में मिले ऊंचे अंकों के आधार पर इन दो श्रेणियों के छात्रों में अंतर निर्धारित कर पाना बेहद कठिन है। वास्तविकता यह है कि इस बार 12वीं में पास हुए अनेक छात्र यह बखूबी जानते हैं कि अगर परीक्षा हुई होती, तो वे शर्तिया परीक्षा में पास नहीं कर पाते।

चूंकि अब कॉलेजों में दाखिला शुरू होंगे, ऐसे में, आर्थिक संसाधनों से संपन्न छात्र जहां कॉलेजों में प्रवेश पाने में सफल होंगे, वहीं आर्थिक परेशानियों वाले छात्रों की उच्च शिक्षा का सपना धरा रह जाएगा। अच्छे कॉलेजों में दाखिला पाने में विफल रहने वाले अनेक छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए निजी विश्वविद्यालयों का रुख करेंगे, जहां न केवल पढ़ाई महंगी है, बल्कि वहां से शिक्षा प्राप्त करना भी कई बार उज्ज्वल भविष्य की गारंटी नहीं होता। कुल मिलाकर, उत्तीर्ण छात्रों के बढ़े आंकड़े और ऊंचे कट-ऑफ के कारण इस बार कॉलेजों में दाखिला चुनौती भरा होगा।

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ-सफाई और रंग-रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां-बाप की मशक्कत

- मां-बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना-फिरना होता है मां-बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं
- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें

बातों में उलझाए रखें

- साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
- बच्चे से धीमे स्वर और तुतलाती भाषा में प्यार-भरी बातें करें
- तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिल्लाएं नहीं

खास जगहों पर मसाज जरूरी

- नाक का ऊपरी हिस्सा - दोनों भौहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
- हथेली - दोनों हथेलियों पर धीमे-धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
- पेट - दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाईं से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे - अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगुठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।

मन शांत करने में मददगार

- हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
- इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन-मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है

गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद

- सोने-जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाएं
- रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
- कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त

एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या-क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढ़ती रहती। यह उसने अंतत: सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी-कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ-दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं- बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना-माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार-पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच-छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होंमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे-धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिटेंड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉटर्स अलनारी में है तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉटर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ळभी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोस्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

शेयर बाजार पर रह सकता है दबाव

शेयर समीक्षाः छोटे निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत

मुंबई । अगले सप्ताह वैश्विक कारकों के चलते शेयर बाजार दबाव में रहने का अनुमान जताया जा रहा है, जिसके मद्देनजर निवेशकों विशेषकर छोटे निवेशकों को सतर्कता बरतते हुए निवेश करने की सलाह दी गई है।

विश्लेषकों का कहना है कि अगले सप्ताह घरेलू स्तर पर कोई विशेष कारक नहीं दिख रहा है, जिससे शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव दिख सके लेकिन वैश्विक स्तर पर ऐसे कई कारक बन रहे हैं जिनका शेयर बाजार पर असर पड़ सकता है। उनका कहना है कि अगला सप्ताह शेयर बाजार के लिए बहुत ही नाजुक हो सकता है क्योंकि सेंसेक्स 60 हजारी होने के लिए बेताब दिख रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले घटनाक्रम पर नजर रखना आवश्यक है। विश्लेषकों का कहना है कि अगले सप्ताह एफओएमसी की बैठक 21 और 22 सितंबर को होने वाली है और उसके निर्णय का असर बाजार पर दिख सकता है। इसके साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व के बॉन्ड पर चर्चा करने और बैंक ऑफ जापान के 22 सितंबर को मौद्रिक नीति जारी करने का असर भी बाजार पर दिख सकता है। इसके साथ ही बाजार के अब तक सार्वकालिक स्तर पर होने से विदेशी निवेशकों के मुनाफा काटने की आशंका भी बन रही है, जिससे घरेलू स्तर पर बाजार में करेक्शन दिख सकता है।

एफपीआई का सितंबर में अब तक 16305 करोड़ रुपए निवेश

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों एफपीआई ने सितंबर में अबतक भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 16305 करोड़ रुपए डाले हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एक से 17 सितंबर के दौरान विदेशी निवेशकों ने शेयरों में 11287 करोड़ रुपए और ऋण या बांड बाजार में 5018 करोड़ रुपए डाले। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 16305 करोड़ रुपए रहा। अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 16459 करोड़ रुपए का निवेश किया था। पिछले कुछ समय से भारतीय शेयरों में निवेश उतार-चढ़ाव वाला रहा है। उन्होंने कहा, हालांकि, भारतीय शेयर बाजारों में लगातार तेजी को एफपीआई नजरअंदाज नहीं कर सकते। वे इसका हिस्सा बनना चाहेंगे और अवसर को गंवाना नहीं चाहेंगे। एफपीआई की वजह से ही शेयर बाजार इस महीने हर दिन नए रेकॉर्ड बना रहा है। अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 16459 करोड़ रुपए का निवेश किया था।

चार कंपनियों का मार्केट कैप बढ़ा रिलायंस को हुआ भारी नुकसान

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह 65464.41 करोड़ रुपए का उछाल आया। जबकि छह कंपनियों को सप्ताह के दौरान 43746.79 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 22984.14 करोड़ रुपए बढ़कर 399901.97 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 19500.28 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 405221.99 करोड़ रुपए रहा। टीसीएस की बाजार हैसियत 14315.33 करोड़ रुपए के उछाल से 1416903.13 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी बैंक की 8664.66 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 876597.86 करोड़ रुपए रही। इस रुख के उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 22219.75 करोड़ रुपए घटकर 1515380.48 करोड़ रुपए रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 20605.92 करोड़ रुपए के नुकसान से 639335.53 करोड़ रुपए रही। एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 576.19 करोड़ रुपए घटकर 510550.29 करोड़ रुपए पर और इन्फोसिस का 212.1 करोड़ रुपए के नुकसान से 717427.09 करोड़ रुपए रह गया। बाजार फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 90.54 करोड़ रुपए घटकर 448292.54 करोड़ रुपए पर और आईसीआईसीआई बैंक का 42.29 करोड़ रुपए के नुकसान से 499176.68 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

ड्रोन उद्योग के लिए 5000 करोड़ निवेश की उम्मीद

पीएलआई योजना से निवेश को मिलेगा फायदा

चेन्नई । केंद्र सरकार द्वारा ड्रोन और ड्रोन के कलपुर्जों के लिए हाल ही में घोषित उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन पीएलआई योजना से अगले तीन वर्षों के दौरान 5000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की उम्मीद है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव अंबर दुबे ने यह बात कही। उन्होंने नयी ड्रोन नीति 2021 और ड्रोन तथा ड्रोन के कलपुर्जों के लिए पीएलआई योजना पर कहा कि ड्रोन क्षेत्र में प्रस्तावित निवेश का अनुमान 10000 करोड़ रुपए से अधिक था। लेकिन सही रूप से अगले तीन वर्षों में इस क्षेत्र में 5000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की उम्मीद है। दुबे ने कहा, ड्रोन और ड्रोन के कलपुर्जों के विनिर्माण उद्योग में अगले तीन वर्षों में 5000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हो सकता है। साथ ही उद्योग का वार्षिक बिक्री कारोबार वित्त वर्ष 2020-21 में 60 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 900 करोड़ रुपए से अधिक हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के विकास से ड्रोन निर्माण उद्योग में अगले तीन साल के दौरान 10000 से अधिक रोजगार के मौके पैदा होने की उम्मीद है।

स्व सहायता समूह के उत्पाद अब ऑनलाइन बाजार में

देश भर में बेच सकेंगे समान

नई दिल्ली । हिमाचली महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए ग्रामीण विकास बिभाग ने राज्य में कार्यरत 27000 महिला स्व सहायता समूह से जुडी 2.80 लाख महिलाओं द्वारा प्रदेश के दुर्गम, पिछड़े और जनजातीय क्षेत्रों में बनाये जाने वाले उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर मुहैया कराने का फैसला किया गया है जिसके माध्यम से वे अपना सामान देश भर में बेच सकेंगे। अभी तक यह स्व सहायता समूह अपने सामान की बिक्री स्थानीय स्तर पर ही हिम ईरा दुकानों , साप्ताहिक बाजार या मेले प्रदर्शनियों के माध्यम से ही करते हैं।

राज्य सरकार ने प्रदेश में 27,000 स्वंय सहायता समूहों से जुड़ी 2.80 लाख ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को सरकारी गर्वनमेंट ई-मार्किट प्लेस के माध्यम से बेचने की योजना तैयार की है। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री वीरेन्द्र कंवर ने बताया कि इस प्रक्रिया से पिछड़े, दुर्गम तथा जनजातीय क्षेत्रों की दस्तकार महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को हिमाचल प्रदेश के अलावा देशभर के उपभोक्ताओं को बेचने में मदद मिलेगी जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में एक नई आर्थिक क्रांति की शुरुआत होगी। स्वंय सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों के मानकीकरण की प्रक्रिया, गुणवत्ता परीक्षण सहित अन्य औपाचारिकतायें पूरी की जा रही हैं ताकि उनके उत्पादों की आनलाईन बिक्री को जल्दी शुरु किया जा सके। राज्य सरकार स्वंय सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग, मूल्य निर्धारण तथा मार्किटिंग में भी विशेषज्ञों की मदद लेगी ताकि हिमाचली उत्पादों के विकास को बढ़ाकर महिलाओं की आमदनी में बढ़ोतरी सुनिश्चित की जा सके। इस समय स्वंय सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार प्रकृतिक, आर्गेनिक तथा हाथों से निर्मित उत्पादों को सरकारी इम्पोरियम, हिमाचल प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन तथा हिमाचल प्रदेश सचिवालय के तत्वाधान में बेचा जा रहा है।

इलेक्ट्रिकल उपकरण बाजार 72 अरब डॉलर पर पहुंचेगा

सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की दर से होगी वृद्धि

नई दिल्ली। बिजली इलेक्ट्रिकल उपकरणों का घरेलू बाजार सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की दर से बढ़कर 2025 तक 72 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। उद्योग के एक कार्यकारी ने यह जानकारी दी। भारतीय इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माता संघ आइमा के अध्यक्ष अनिल साबू ने कहा कि अभी देश का बिजली उपकरणों का बाजार 48 से 50 अरब डॉलर का है।

उन्होंने कहा, हम इसमें सालाना 11 से 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेंगे। 2025 तक यह बाजार 72 अरब डॉलर का होगा। उन्होंने कहा कि भारत से मूल्य के हिसाब से निर्यात मौजूदा के 8.62 अरब डॉलर से बढ़कर 13 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। दुनिया अब भारत को चीन के विकल्प के रूप में देख रही है। साबू ने कहा कि पेरिस समझौते के तहत कुल कॉबर्न उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य तथा देश के नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने में बिजली उपकरण उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भारत ने 2022 तक 175 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसे 2030 तक 450 गीगावॉट करने का लक्ष्य है। साबू ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को हासिल करने के लिए नयी पीढ़ी के उपकरणों की जरूरत होगी। घरेलू कंपनियां स्थानीय स्तर पर अपनी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, उपकरणों का विनिर्माण बढ़ने से हमारा उद्योग इन लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आइमा के अध्यक्ष ने कहा, हमारा सरकार से आग्रह है कि वह ऊर्जा दक्षता और जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बिजली उपकरण विनिर्माताओं को प्रोत्साहन दे। उन्हें निर्यात के लिए आवश्यक प्रोत्साहन दिया जाए और शोध एवं विकास के लिए कोष उपलब्ध कराया जाए। साबू ने कहा कि उद्योग को भरोसा है कि वह 2030 तक 450 गीगावॉट के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर साल 18 अरब डॉलर का निवेश हासिल करने में सफल रहेगा।

दूरसंचार में बदलाव के लिए पर्याप्त समय

कीमतों को लेकर जारी युद्ध होगा शांत

नई दिल्ली। डेलॉयट इंडिया के एक वरिष्ठ विश्लेषक ने कहा कि दूरसंचार राहत पैकेज के तहत नियामकीय बकाया राशि के भुगतान के लिए दी गई चार साल की मोहलत से कंपनियों को बदलाव और चीजें ठीक करने का समय मिलेगा और साथ ही इससे कीमतों को लेकर जारी युद्ध शांत हो सकता है। डेलॉयट इंडिया के भागीदार और दूरसंचार क्षेत्र के लीडर पीयूष वैश्य ने कहा कि सुधार से वैश्विक समुदाय को एक मजबूत संदेश गया है और दूरसंचार क्षेत्र में निवेशकों एवं ऋणदाताओं का विश्वास बढ़ने की उम्मीद है। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में संकटग्रस्त दूरसंचार क्षेत्र के लिये बड़े सुधार पैकेज को मंजूरी दी थी। इस पैकेज में सांविधिक बकाये के भुगतान से चार साल की मोहलत, दुलर्भ रेडियो तरंगों को साझा करने की मंजूरी, सकल समायोजित राजस्व एजीआर की परिभाषा में बदलाव तथा स्वतः मंजूरी मार्ग से 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मंजूरी शामिल हैं। एजीआर के आधार पर ही कंपनियों को शुल्क का भुगतान करना होता है। इन राहत उपायों का मकसद वोडाफोन आइडिया जैसी कंपनियों को राहत प्रदान करना है। कंपनी को पिछले सांविधिक बकाया मद में हजारों करोड़ रुपए देने हैं। इन उपायों में भविष्य में स्पेक्ट्रम नीलामी में अधिग्रहण किये जाने वाले स्पेक्ट्रम के मामले में स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क एसयूसी को खत्म करना भी शामिल है। वैश्य ने कहा, मूल्य निर्धारण से जुड़े उद्योग के मुद्दों को सुलझाने के लिए चार साल की समयसीमा काफी अच्छी है।

तांबा आयात में 26 फीसदी इजाफा

पहली तिमाही में 60766 टन रहा

नई दिल्ली । देश का तांबा आयात चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही में 26 प्रतिशत बढ़कर 60766 टन पर पहुंच गया। कोविड19 की वजह से लगाए गए अंकुशों में ढील के बाद अब आर्थिक गतिविधियां रफ्तार पकड़ रही हैं। ऐसे में शेष वित्त वर्ष में तांबे के आयात का आंकड़ा ऊंचा रहने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय तांबा संघ ने यह जानकारी दी। संघ ने कहा कि देश में तांबे की जरूरत को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता के बावजूद आर्थिक वृद्धि के रफ्तार पकड़ने से चालू वित्त वर्ष में आयात का आंकड़ा तीन लाख टन पर पहुंच सकता है। संघ ने कहा, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में तांबे का आयात 26 प्रतिशत बढ़कर 60766 टन पर पहुंच गया। एक साल पहले समान अवधि में यह 48105 टन रहा था। महामारी की दूसरी लहर के बावजूद आयात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। इस महत्वपूर्ण धातु की मांग शेष वित्त वर्ष में और बढ़ने की उम्मीद है। इसका इस्तेमाल विविध क्षेत्रों में होता है। कोविड-19 से संबंधित अंकुशों में ढील के बाद आर्थिक गतिविधियों ने रफ्तार पकड़ी है और उसी के अनुरूप तांबे की मांग भी बढ़ रही है।

टिकाऊ उपभोक्ता सामान की बिक्री बढ़ने की उम्मीद

त्योहारी सीजन में 10 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली । टिकाऊ उपभोक्ता सामान उद्योग को मुद्रास्फीति दबाव और चिपसेट की कमी के बावजूद इस साल त्योहारी सीजन की बिक्री में दो अंकीय वृद्धि की उम्मीद है। पैनासोनिक, एलजी, हायर, गोदरेज अप्लायंसेज एंड लॉयड्स जैसी कंपनियां बड़े स्क्रीन वाले टीवी, फ्रंट लोड वाशिंग मशीन और बड़ी क्षमता वाले रेफ्रिजरेटर श्रेणी में और अच्छी बिक्री की उम्मीद कर रही हैं। कंपनियां त्योहारी सीजन के लिए अपनी आपूर्ति श्रृंखला और उत्पादों के भंडार को तैयार कर रही हैं। त्योहारी सीजन उत्तर भारत के राज्यों में दशहरा से शुरू होगा और दिवाली तक चलेगा। कंपनियों की सालाना बिक्री में त्योहारी सीजन का हिस्सा आमतौर पर 30 प्रतिशत का रहता है। पैनासोनिक इंडिया के अध्यक्ष और सीईओ मनीष शर्मा ने कहा, हम स्मार्ट 4के एंड्रॉइड टीवी, एसी एचयू सीरीज, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव समेत अन्य उपकरणों की मांग में लगातार वृद्धि देख रहे हैं। वही दक्षिण कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनी एलजी ने त्योहारी सीजन से पहले कई प्रमुख उत्पाद बाजार में उतारे हैं। एलजी इंडिया के उपाध्यक्ष कॉरपोरेट योजना दीपक बंसल ने कहा, वर्तमान में ग्राहकों उपभोक्ताओं का रुख सकरात्मक बना हुआ है। घर से काम करने के बढ़ते चलन के बीच टिकाऊ उपभोक्ता सामान की मांग बढ़ी है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपनी अलग-अलग श्रेणियों के प्रीमियम उत्पादों की बिक्री में अच्छी वृद्धि देख रही है। हायर अप्लायंसेज इंडिया के अध्यक्ष एरिक ब्रागेंजा ने कहा कि महामारी के चलते ग्राहकों और बड़े पैमाने पर घरेलू उपकरण उद्योग के व्यवहार में भी बदलाव आया है।

दूसरी तिमाही में अग्रिम कर संग्रह में तेजी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार का प्रत्यक्ष कर संग्रह रिफंड के बाद वित्त वर्ष 2022 के बजट अनुमान के 50 फीसदी को पार कर गया है। दूसरी तिमाही में अग्रिम कर संग्रह में तेजी और कम रिफंड के कारण प्रत्यक्ष कर संग्रह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 73 फीसदी ज्यादा रहा है। उम्मीद से अधिक कर संग्रह का आंकड़ा 2019-20 की समान अवधि से भी 28 फीसदी अधिक रहा है, जो कोविड19 की दूसरी लहर के बाद आर्थिक सुधार के परिदृश्य को दर्शाता है।

पहली तिमाही में महामारी की दूसरी लहर की वजह से आर्थिक गतिविधियों में खासी नरमी आई थी। अग्रिम कर की दूसरी किस्त के भुगतान के बाद इस दौरान कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.66 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल समान अवधि में 3.28 लाख करोड़ रुपए रहा था। चालू वित्त वर्ष में 11.08 लाख करोड़ रुपए कर संग्रह का अनुमान लगाया गया है। कोविड से पहले के साल यानी 2019-20 में इस दौरान 4.4 लाख करोड़ रुपए प्रत्यक्ष कर संग्रह हुआ था। रिफंड के बाद कर संग्रह 6.4 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 47 फीसदी अधिक है लेकिन 2019-20 के मुकाबले 18 फीसदी कम है। 16 सितंबर तक 74000 करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए, जो पिछले साल की समान अवधि के 1.06 लाख करोड़ रुपए की तुलना में करीब 30 फीसदी कम हैं।

हीरा परियोजना को जल्द शुरू करने की मांग

बढ़ेगा रोजगार, प्रोजैक्ट में 2500 करोड़ रुपए होंगे खर्च

मुंबई । महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण में कार्य कर रहे होलिस्टिक डेवलपमेंट वुमन एम्पावरमेंट एसोसिएशन ने छतरपुर के बंदर हीरा परियोजना को जल्द से जल्द शुरू करने की मांग की है।

एसोसिएशन ने इस संबंध में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा है। इस संगठन ने सुप्रीमकोर्ट के चीफ जस्टिस, मध्य प्रदेश के हाईकोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को भी पत्र लिखा है। इस परियोजना को डेवलप करने में 2500 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। महिला सशक्तिकरण एसोसिएशन का कहना है कि इस परियोजना के शुरू होने पर बुंदेलखंड का विकास होगा। इससे छोटी-छोटी उद्योग यूनिट क्षेत्र बनने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। एसोसिएशन ने कहा है कि हमारा संगठन इस परियोजना के कार्यक्षेत्र में कार्यरत है। इसमें शामिल 22892 महिलाएं परियोजना के समर्थन में मध्य प्रदेश सरकार के साथ हैं। होलिस्टिक डेवलपमेंट वुमन एम्पावरमेंट एसोसिएशन डब्ल्यूडीएस महिला स्व सहायता समूह है। डब्ल्यूडीएस में छह महिला संघ तथा 1765 समूह हैं। एसोसिएशन का कहना है कि बुंदेलखंड एक पिछड़ा क्षेत्र है। यह क्षेत्र औद्योगिक दृष्टि से अत्यंत पिछड़ा क्षेत्र है। इसलिए रोजगार के अवसर नहीं हैं। छतरपुर में बंदर डायमंड ब्लॉक को साल 2005 से 2011 के बीच पता लगाया गया। साल 2019 में ब्लॉक की नीलामी की गई। ब्लॉक में मध्य प्रदेश सरकार को 30.05 फीसदी राजस्व हिस्सेदारी की बोली मिली।

एनबीएफसी का अनुमान, डिजिटलीकरण बढ़ेगा

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी फिनटेक कंपनियों ने गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों एनबीएफसी और भुगतान सेवा प्रदाताओं को आधार ई-केवाईसी सत्यापन लाइसेंस के लिए आवेदन करने की अनुमति देने के रिजर्व बैंक के निर्णय का स्वागत किया है। इन कंपनियों का कहना है कि इस कदम से डिजिटलीकरण को बढ़ावा मिलेगा और धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि एनबीएफसी और भुगतान सेवा प्रदाता कंपनियां आधार ई-केवाईसी सत्यापन लाइसेंस प्राप्त करने के लिए केंद्रीय बैंक के पास आवेदन कर सकती हैं। एमस्वाइप के उत्पाद प्रमुख अंकित भटनागर ने इस निर्णय को लेकर का कहा कि आरबीआई के इस कदम से ग्राहकों के बीच विश्वास को और अधिक बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि केवल लाइसेंस प्राप्त संस्थाओं को ही ईकेवाईसी करने की अनुमति होगी। वही इंफ्रासॉफ्ट टेक्नोलॉजीज के नवोन्मेषण और उत्पाद विकास प्रमुख मनोज चोपड़ा ने कहा कि केंद्रीय बैंक का यह कदम एनबीएफसी और भुगतान सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों को ग्राहकों के साथ जुड़ने में मदद करेगा। वही आरबीआई के निर्णय पर टाइड इंडिया के सीईओ गुरजोधपाल सिंह ने कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी तंत्र के लिए यह एक सरहानीय कदम है।

दुनिया का करीब आधा चावल निर्यात कर सकता है भारत

चावल निर्यात के मामले में भारत टॉप पर

नई दिल्ली । अनुमान लगाया जा रहा है कि भारत 2021 में दुनिया भर के चावल निर्यात का 45 फीसदी तक निर्यात कर सकता है। मौजूदा समय में चावल निर्यात के मामले में भारत टॉप पर है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत ने 2021 में शुरुआती सात महीनों में ही करीब 12.84 मिलियन टन चावल का निर्यात किया है।

यह एक साल पहले के मुकाबले करीब 65 फीसदी अधिक है। चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चावल उगाने वाला देश है, जो अफ्रीका और एशिया में चावल सप्लाई करता है। इस साल भारत का कुल चावल निर्यात 22 अरब टन तक पहुंच सकता है। यह आंकड़ा कितना बड़ा इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि भारत के बाद सबसे बड़ा चावल निर्यातक थाईलैंड, वियतनाम और पाकिस्तान का कुल निर्यात भी 22 अरब टन से कम है। सूत्रों ने बताया कि इस साल बाकी देशों के साथ-साथ चीन, वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों ने भी भारत से चावल खरीदा है। 2020 में भारत का निर्यात करीब 49 फीसदी बढ़ा था और 14.7 मिलियन टन पर पहुंच गया था। इसकी एक वजह ये भी भी कि नॉन बसमती चावल का शिपमेंट 77 फीसदी बढ़कर 9.7 मिलियन टन हो गया था। 2021 में नॉन बासमती चावल का निर्यात करीब दोगुना होकर 18 मिलियन टन के करीब पहुंच सकता है।

सस्ता है भारत का चावल

भारत का चावल थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों से मार्च के महीने से ही काफी सस्ता है। वहीं चावल की ग्लोबल मांग बी बढ़ी है। भारत का चावल निर्यात का मुख्य पोर्ट आंध्र प्रदेश के काकिनाडा में है। यहां भीड़ बहुत अधिक हो जाने की वजह से पिछली बार कुछ ग्राहक देश दूसरे सप्लायर देशों के पास चले गए। यहां तक कि भार की तरफ से प्रति टन 100 डॉलर का डिस्काउंट भी दिया जा रहा था, लेकिन बात नहीं बनी। इससे राहत देने के लिए सरकार ने काकिनाडा के पास ही एक अन्य पोर्ट पर चावल के शिपमेंट की इजाजत दे दी, जिससे दूसरे सप्लायर के पास जाने वाले ग्राहक देश भी भारत के पास बने रहे। काकिनाडा के पास वाले पोर्ट से ही 2021 में कम से कम एक मिलियन टन चावल का निर्यात हुआ है।

चमड़ा उद्योग से कर का बोझ घटेगा

परिधानों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन

नई दिल्ली। चमड़ा निर्यात परिषद सीएलई ने कहा है कि जीएसटी परिषद द्वारा एक जनवरी, 2022 से चमड़े के जूते, चप्पलों पर उलट शुल्क ढांचे को ठीक करने के फैसले से क्षेत्र से कर का बोझ घटेगा और कृत्रिम रेशे के कपड़े तथा परिधानों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। सीएलई के चेयरमैन संजय लीखा ने कहा कि 1000 रुपए से कम मूल्य के चमड़ा फुटवियर पर माल एवं सेवा कर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत है। इससे अधिक मूल्य पर यह 18 प्रतिशत है। वहीं इन फुटवियर के निर्माण में काम आने वाले सामान इनपुट पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत है। जीएसटी परिषद की 17 सितंबर को हुई बैठक में एक जनवरी, 2022 से फुटवियर तथा कपड़े पर उलट शुल्क ढांचे को ठीक करने पर सहमति बनी। उन्होंने कहा कि उलट शुल्क ढांचा उद्योग के लिए एक मुद्दा था और परिषद ने सरकार से इस विसंगति को समाप्त करने की मांग की थी। इसके तहत इनपुट कर क्रेडिट के संग्रहण से कंपनियों की महत्वपूर्ण कार्यशील पूंजी ब्लॉक हो रही थी।

क्या अडानी ग्रुप एनडीटीवी को खरीदने जा रहा है? कंपनी के शेयरों में लगा 10% का अपर सर्किट

नई दिल्ली। आज एक अफवाह ने एनडीटीवी के शेयरों में ऐसा उछाल लाया कि 10 फीसद का अपर सर्किट लग गया। दरअसल मार्केट में यह अफवाह तेजी से फैल रही है कि अडानी ग्रुप एनडीटीवी का अधिग्रहण कर सकता है। कई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अडानी ग्रुप दिल्ली स्थित एक मीडिया हाउस का अधिग्रहण करना चाह रहे हैं, जिसे कई लोग एनडीटीवी होने का अनुमान लगा रहे हैं। हालांकि इन अटकलों का फायदा एनडीटीवी के शेयरों में साफ दिखा। बता दें एनडीटीवी का वित्तीय प्रदर्शन खराब रहा है। कंपनी के प्रमोटर भी कर जांच के दायरे में हैं। हालांकि, पिछले एक साल में शेयर में 130 फीसदी की तेजी आई है। बीएसई पर आज एनडीटीवी का शेयर 7.20 रुपये उछल कर 79.65 रुपये पहुंच गया।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेटरों की मैच फीस में इजाफा किया

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेटरों की मैच फीस में इजाफा किया। बोर्ड के सचिव जय शाह ने सोमवार को इसकी घोषणा की। बीसीसीआई शीर्ष परिषद की बैठक में शामिल हुए शाह ने यह भी कहा कि 2019/20 सीजन में खेलने वाले क्रिकेटरों को 2020/21 सीजन में कटौती के लिए अतिरिक्त 50 प्रतिशत शुल्क मिलेगा।

शाह ने ट्वीट कर कहा, मुझे घरेलू क्रिकेटरों की मैच फीस में इजाफा कर खुशी हो रही है। सीनियरों (40 मैचों के ऊपर) को 60000 रुपए, अंडर-23 को 25000 हजार रुपए और अंडर-19 को 20000 रुपए मिलेंगे। अब तक सीनियर पुरुष घरेलू क्रिकेटर रणजी ट्रॉफी या विजय हजारे ट्रॉफी में हर मैच प्रतिदिन 35000 रुपये कमाते थे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए, उन्हें प्रति मैच 17500 रुपये का भुगतान किया जाता था।

हालांकि, मैच फीस में संशोधन के साथ सीनियर पुरुष घरेलू क्रिकेट में खिलाड़ियों की तीन श्रेणियां बनाई गई हैं। 20 घरेलू मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को 40000 रुपये, 21-40 घरेलू मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को 40000 रुपये और 40 से अधिक घरेलू मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को 60000 रुपये मिलेंगे। 2021/22 सीजन के लिए यू-25 श्रेणी में, प्रति दिन शुल्क 17,500 से बढ़ाकर 20,000 रूपये दिया गया है। अंडर-19 वर्ग में प्रतिदिन की फीस 10,500 से बढ़ाकर 20,000 रुपये की गई है। अंडर-16 के लिए फीस 3,500 से बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दी गई है

शाह ने कहा, 2019/20 घरेलू सीजन में भाग लेने वाले क्रिकेटरों को कोविड -19 स्थिति के कारण 2020/21 सीजन के नुकसान के मुआवजे के रूप में 50 फीसदी अतिरिक्त मैच शुल्क मिलेगा।

महिला घरेलू क्रिकेट में सीनियर खिलाड़ियों की फीस 12,500 से बढ़ाकर 20,000 रुपये कर दी गई है। यू-25 के लिए फीस 5,500 से बढ़ाकर 10,000 रूपये कर दी गई है। अंडर-19/अंडर-16 के लिए फीस 5,500 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये की जाएगी। पुरुष और महिला घरेलू क्रिकेट में टी20 मैच फीस संबंधित श्रेणी की 50 फीसदी होगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का आयोजन 20 अक्टूबर से 12 नवंबर तक होगा जबकि पिछले सीजन में रद्द हुई रणजी ट्रॉफी का आयोजन 16 नवंबर से 19 फरवरी और विजय हजारे ट्रॉफी की शुरूआत 23 फरवरी से 26 मार्च 2022 तक होगी। इस सीजन में पुरुष और महिला वर्ग में विभिन्न आयु समूहों में कुल 2127 घरेलू मैच खेले जाएंगे।

संजीत, शिवा और हुसामुद्दीन ने पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बेल्लारी, 20 सितम्बर (आईएएनएस)। संजीत, शिवा थापा और मोहम्मद हुसामुद्दीन ने सोमवार को कर्नाटक के बेल्लारी में स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में जारी पांचवीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले मौजूदा एशियाई चैंपियन संजीत दिल्ली के अपने प्रतिद्वंद्वी हर्ष कौशिक के लिए बहुत मजबूत साबित हुए। संजीत ने 92 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 की एकतरफा जीत दर्ज की। फाइनल में संजीत का सामना हरियाणा के नवीन कुमार से होगा। नवीन ने पंजाब के राघव चौधरी को बाहर का रास्ता दिखाया। फाइनल मुकाबले मंगलवार को होंगे।

एसएससीबी के एक अन्य मुक्केबाज मो. हुसामुद्दीन को हालांकि फार्म में चल रहे युवा विश्व चैंपियन हरियाणा के सचिन से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। गत चैंपियन हुसामुद्दीन को 57 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में 4-1 से जीत हासिल करने से पहले कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अब स्वर्ण पदक मुकाबले में उनका सामना दिल्ली के रोहित मोर से होगा।

दीपक (51 किग्रा), आकाश (54 किग्रा), एताश खान मोहम्मद (60 किग्रा), दलवीर सिंह तोमर (63.5 किग्रा), आकाश (67 किग्रा), सुमित (75 किग्रा), सचिन कुमार (80 किग्रा), लक्ष्य (86 किग्रा) और नरेंद्र (प्लस 92 किग्रा) फाइनल में पहुंचने वाले एसएससीबी के अन्य मुक्केबाज थे।

इस बीच, 63.5 किग्रा में, विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता थापा ने उत्तर प्रदेश के अभिषेक यादव के खिलाफ सर्वसम्मत अंतर से शानदार जीत दर्ज की। असम के अनुभवी मुक्केबाज थापा फाइनल में एसएससीबी के दलवीर से भिड़ेंगे।

चंडीगढ़ के कुलदीप कुमार (48 किग्रा) और सागर (+92 किग्रा) ने भी समान रूप से प्रभावी जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई। कुलदीप कुमार ने उत्तर प्रदेश के रवि कुमार को सर्वसम्मत अंतर से मात दी। सागर ने भी आराम से महाराष्ट्र के रेनॉल्ड जोसेफ को आरएससी के फैसले से हराया। कर्नाटक के लिए, निशांत देव ने 71 किग्रा भार वर्ग में अंतिम बर्थ भी बुक कर लिया। निशांत ने 5-0 की आसान जीत के साथ हरियाणा के यशपाल को मात दी।

फाइनल में प्रवेश के साथ, मुक्केबाजों ने 2021 एआईबीए एलीट मेन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जगह बनाने के लिए अपनी चुनौतियों को जीवित रखा है। 24 अक्टूबर से छह नवंबर तक सर्बिया में होने वाले इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए स्वर्ण पदक विजेताओं का चयन किया जाएगा।

रोहित शर्मा अगले मैच में शामिल होंगे : जयवर्धने

दुबई। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने को भरोसा है कि टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल के अगले मैच में शामिल होंगे। रोहित रविवार को हुए चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में शामिल नहीं थे। मुंबई का सामना 23 सितंबर को कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ होगा। ऐसे में कोच को उम्मीद है कि रोहित इस मुकाबले में टीम का नेतृत्व करेंगे। जयवर्धन ने मैच के बाद वर्चुल प्रेस वार्ता में कहा, रोहित अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं लेकिन इंग्लैंड से वापस लौटने के कारण हमें लगा कि उन्हें कुछ और दिन की जरूरत है। वह अगला मुकाबला खेलने के लिए ठीक हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के अगले मैच में भी खेलने पर संशय है क्योंकि उन्हें कुछ दिक्कतें हैं। कोच ने कहा, हार्दिक ट्रेनिंग कर रहे हैं लेकिन उन्हें कुछ दिक्कत हैं। एहतियात बरतते हुए हम उन्हें कुछ अतिरिक्त दिन आराम देने के बारे में सोच रहे हैं। देखना चाहते हैं कि चीजें कैसी है लेकिन गंभीर नहीं है। जयवर्धने ने साथ ही कहा कि मुंबई की टीम में किसी ने ऐसे बल्लेबाजी नहीं की जैसे चेन्नई सुपर किंग्स के लिए रुतुराज गायवाड़ ने की। उन्होंने कहा, दूसरी पारी में विकेट अच्छा था और हमारे बल्लेबाजों को लगा कि वे बल्लेबाजी कर सकते हैं। मैं इस बात को स्वीकार करता हूं कि हमने कुछ विकेट आसानी से गंवाए। ऐसे बल्लेबाज की जरूरत थी जो जिम्मेदारी से खेले और अंत तक पारी को बढ़ाए जो हम नहीं कर पाए। चेन्नई के लिए ऐसा गायकवाड़ ने किया। जयवर्धने ने कहा, जब चेन्नई के विकेट गिर रहे थे तो एक सेट बल्लेबाज अंत तक टिका रहा। मेरे ख्याल से हम निराश हैं जिस तरह से हमने स्थिति को देखा। कोच ने कहा, ब्रेक हमारे नियंत्रण में नहीं है। हमने भारत में कुछ अच्छे मुकाबले खेले लेकिन दुर्भाग्य से टूर्नामेंट को रोकना पड़ा और सभी लोगों को दुनिया भर के अलग-अलग हिस्सों में खेलना पड़ा। इसके बाद हम लोग फिर साथ आए हैं और लय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जयवर्धने ने कहा, हमने इस बारे में चर्चा की और हमें पता था कि टीम को अनुभवी चेन्नई के खिलाफ बेहतर करना होगा। हमने कुछ गलतियां की और यह ऐसा है जिस पर हमें जल्द काम करने की जरूरत है।

महिला क्रिकेट : भारत और ऑस्ट्रेलिया मल्टी फॉर्मेट सीरीज के लिए तैयार

मकाय (एजेंसी)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमें मंगलवार से यहां तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले के साथ ही मल्टी फॉर्मेट सीरीज के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलिया की नजरें इस दौरान वनडे में अपने रिकॉर्ड विजयी अभियान को जारी रखने पर होगी जबकि कप्तान मिताली राज के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के विजयी अभियान को थाम कर सीरीज की शुरूआत सकारात्मक तरीके से करना चाहेगी। भारत ने आईसीसी महिला विश्व कप 2017 के सेमीफाइनल में टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार टीम को सेमीफाइनल में बाहर किया था।

इस हार के चार साल बाद ऑस्ट्रेलिया अन्य क्रिकेट विश्व कप की प्रबल दावेदार के रूप में उभर रही है। भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम को वनडे में सिर्फ एक हार मिली है। उन्होंने इस प्रारूप में अपने पिछले 24 मुकाबले जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया की विकेटकीपर एलिसा हेली ने कहा, खेले गए सभी खेलों में कुछ अद्भुत प्रदर्शन हुए हैं और बहुत सारे अजीब परिणाम हैं, इसलिए यह मेरे लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हमारे पास प्रतिस्पर्धा का यह छोटा सा उत्साह है और थोड़ी सी प्रतिद्वंद्विता भारत के खिलाफ चल रही है।

ऑस्ट्रेलिया का विजयी अभियान 2018 की शुरूआत से जारी हुआ। उन्होंने भारत को 3-0 से हराया। इसके बाद दोनों टीमों के बीच उसी साल टी20 विश्व कप में भिड़ंत हुई जहां भारत ने फिर आईसीसी इवेंट में ऑस्ट्रेलिया को चित्त किया। हालांकि, इस हार के बावजूद उन्होंने खिताब अपने नाम किया। इसके दो साल बाद 2020 टी20 विश्व कप के ओपनिंग मैच में भारत और ऑस्ट्रेलिया का सामना हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने एमसीजे में हुए फाइनल मुकाबले में भारत को 85 रनों से हराया। इस मैच के बाद से भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच कोई मुकाबला नहीं हुआ है। हालांकि, दोनों टीमें पिछले सप्ताह अभ्यास मैच में आमने-सामने रहीं थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज के अलावा गुलाबी गेंद से एक डे नाइट टेस्ट मैच और तीन मैचों की टी20 सीरीज भी होनी है।

ऐसी क्रिकेट टीम बनेगी पाकिस्तान कि लाइन लगाकर सभी देश आना चाहेंगे, रमीज राजा ने दिया वीडियो संदेश

रावलपिंडी (एजेंसी)।

सुरक्षा कारणों से न्यूज़ीलैंड के पाकिस्तान दौरे को रद्द करने के अगले दिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन रमीज़ राजा ने सभी को इससे बाहर निकलकर आगे की तरफ़ सोचने को कहा है। शुक्रवार को मैच शुरू होने के ठीक पहले तक न्यूज़ीलैंड की टीम पाकिस्तान में मौजूद थी और तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के अलावा पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ के लिए तैयारी कर रही थी। मैच शुरू होने के कुछ ही मिनट पहले न्यूज़ीलैंड ने दौरे को रद्द करने की घोषणा करते हुए सभी को हैरान कर दिया था।

क्रिकइंफो को जानकारी मिली है कि एक समय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मन बना चुका था आधिकारिक तौर पर न्यूज़ीलैंड के इस फ़ैसले का विरोध करना है लेकिन फिर बाद में उन्होंने ये फ़ैसला किया कि उनके पास ऐसा करने का पुख़्ता आधार नहीं है। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने ये फ़ैसला उनकी सरकार और सुरक्षा एजेंसी को मिली जानकारी के बाद लिया था।

रमीज़ राजा की ओर से पाकिस्तानी क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया गया। जिसमें उन्होंने कहा, 'जो भी हुआ है वह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं है। लेकिन एक चीज़ जो हमें मज़बूत बनाती है, वह यह है कि ऐसी परिस्थितियां अतीत में भी हमारे सामने आईं थीं और फिर हमने उन्हें पार पाते हुए आगे की ओर देखा।'

राजा ने कहा, 'मैं अपने सभी क्रिकेट प्रेमियों से गुज़ारिश करता हूं कि इस मुश्किल हालात में भी आप हमारे साथ रहें, आपका साथ हमें विश्व कप में ताक़त प्रदान करेगा। मैं अपने खिलाड़ियों से कहना चाहूंगा कि आप अपना गुस्सा मैदान पर निकालें और यही हमारे दर्द की दवा होगी। अगर आप दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बन जाएंगे तो हर कोई आपके देश में आकर खेलने के लिए लाइन लगाएगा। मैं उम्मीद करूंगा कि सभी लोग इससे सबक़ लें और आगे की तरफ़ देखें न कि निराश और हताश हों।' इस समय जो पाकिस्तान क्रिकेट के हालात हैं, वह यह है कि पीसीबी को इस बात का डर है कि अब हर देश उनके यहां आकर खेलने में परहेज़ कर सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को आर्थिक तौर पर भारी नुक़सान का भी डर सता रहा है और साथ ही साथ विश्व कप से पहले उनकी तैयारियों को भी झटका लगा है। पाकिस्तान के पास टी-20 विश्वकप से पहले वेस्टइंडीज़, न्यूज़ीलैंड और इंग्लैंड के ख़िलाफ़ कुल 12 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलना था। लेकिन कैरेबियाई सरज़मीं पर इन तैयारियों पर पहले बारिश ने पानी फेरा और अब न्यूज़ीलैंड ने दौरा रद्द करते हुए एक और झटका दे दिया है। इतना ही नहीं इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) भी पाकिस्तान दौरे को लेकर पुनर्विचार कर रहा है और इसपर जल्द ही फ़ैसला करने वाला है। रमीज़ राजा ने आगे कहा, 'हम इन हालातों से उबर पाना जानते हैं और जल्द ही इस स्थिति से बाहर आएंगे। हमें अपने ऊपर और हमारे घरेलू क्रिकेट पर विश्वास है और अभी भी हम एक शानदार टीम बनकर उभर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं समझ सकता हूं इस समय पाकिस्तान टीम पर बहुत ज़्यादा दबाव है, लेकिन कोई बात नहीं। हम इसका डटकर सामना करेंगे, और जल्द ही हम आपके सामने एक अच्छी ख़बर लेकर आएंगे। हम अपने फ़ैंस से उम्मीद करते हैं कि वह इन हालातों में भी हमारे साथ खड़े रहें। यह समय है कड़ी मेहनत करने का और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनने का ताकि हम इन चुनौतियों से आसानी से पार पा सकें।'

न्यूज़ीलैंड के सुरक्षा इल्ज़ामों को पाकिस्तान ने सिरे से किया ख़ारिज

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के सीईओ डेविड व्हाइट के उन दावों को ख़ारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान में सुरक्षा इंतज़ाम ऐसे नहीं थे कि रूका जा सकता।

पाकिस्तान में मौजूद ईएसपीएन क्रिकइंफ़ो के सूत्रों ने बताया कि पीसीबी ने पूरी तरह न्यूज़ीलैंड के उन दावों को बेबुनियाद बताया है जिसमें 'उनकी जान को ख़तरा' बताया जा रहा था। इससे पहले न्यूज़ीलैंड मीडिया के सामने डेविड व्हाइट ने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ़्रेंस की थी और उसमें बताया था कि किन परिस्थितियों में उन्हें दौरा रद्द करना पड़ा। उन्होंने बताया कि न्यूज़ीलैंड सरकार की ओर से उन्हें ये बताया गया था कि खिलाड़ियों की जान को ख़तरा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को हालांकि इस तरह की किसी भी प्रेस कॉन्फ़्रेंस की जानकारी नहीं है लेकिन उन्होंने इस बात का खंडन किया कि न्यूज़ीलैंड के खिलाड़ियों को जान का ख़तरा था।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने मुंबई इंडियंस को 20 रन से हराया, प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची

दुबई। सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ के नाबाद अर्द्धशतक के बाद ड्वेन ब्रावो और दीपक चाहर तूफानी गेंदबाजी से चेन्नई सुपरकिंग्स इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां मुंबई इंडियन्स को 20 रन से हराकर प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गया। मई में आईपीएल के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 संक्रमण के कई मामले आने के बाद भारत में सत्र को निलंबित किए जाने के बाद सत्र बहाल होने पर यूएई में पहला मुकाबला था। चेन्नई के 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम ब्रावो (25 रन पर 3 विकेट) और दीपक (19 रन पर 2 विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 8 विकेट पर 136 रन ही बना सकी। मुंबई की ओर से सौरभ तिवारी (40 गेंद में नाबाद 50, 5 चौके) ही 20 रन के आंकड़े को पार करने में सफल रहे। चेन्नई सुपरकिंग्स ने गायकवाड़ (नाबाद 88) के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के अलावा रविंद्र जडेजा (26) के साथ 5वें विकेट के लिए उनकी 81 और ब्रावो (आठ गेंद में 23, तीन छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी से 6 विकेट पर 156 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। गायकवाड़ ने 58 गेंद का सामना करते हुए 4 छक्के और 9 चौके मारे। उन्होंने ब्रावो के साथ मिलकर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की जिससे सुपरकिंग्स अंतिम 9 ओवर में 109 रन जोड़ने में सफल रहे।

मुंबई ने चेन्नई को मैच में वापसी करने का मौका दिया : लारा

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा का कहना है कि मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को वापसी करने का मौका दिया। लारा ने कहा कि गेंदबाजी के दौरान मुंबई ने रणनीतिक गलती की जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा और टीम को हार का सामना करना पड़ा।

चेन्नई का स्कोर एक समय चार विकेट पर 24 रन था लेकिन उसने छह विकेट पर 156 रन बनाकर स्कोर बोर्ड पर लड़ने लायक स्कोर खड़ा किया। लारा ने क्रिकेट डॉट कॉम से कहा, कुछ चीजें हैं जो कीरोन पोलार्ड को करनी चाहिए थी और मुझे लगता है कि उन्होंने सही समय पर चीजें नहीं की और चेन्नई को मैच में वापसी करने का मौका दिया। आप इसे आसान बना सकते थे। उन्होंने कहा, मैं मुंबई के गेंदबाजों को दोष नहीं दे रहा लेकिन मुझे लगता है कि इन्हें थोड़ी अच्छी तरह रणनीति बनानी चाहिए। मुझे लगता है कि यह अधिक सामरिक है। आपके पास दो स्पिनर हैं जिनका आपको किसी समय उपयोग करने की सबसे अधिक संभावना है। मैं जरूर यह नहीं कहूंगा कि गेंदबाजी खराब थी। मुझे लगा कि अगर उन्होंने उनका सही इस्तेमाल किया होता, तो चेन्नई के लिए 156 रन बनाने का कोई रास्ता नहीं होता। चेन्नई ने मुंबई को आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के मैच में 20 रनों से हराया।

क्या विराट कोहली लेंगे संन्यास, हालात तो यही बयां कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एक बार कप्तानी से हटने के बाद किसी भी भारतीय कप्तान का टीम इंडिया में सफर 2 -3 साल से ज्यादा नहीं रहा है। विराट कोहली जिस तरह लगातार हर फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ रहे हैं। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह जल्द वनडे और टेस्ट की कप्तानी भी छोड़ सकते हैं।

लेकिन यह करने के बाद उनका करियर भी ज्यादा लंबा नहीं चल पाएगा। 2-3 साल पहले के एक इंटर्व्यू मे वह खुद कह चुके थे कि जैसे वह क्रिकेट खेल रहे हैं और कु सीरीज को छोड़कर लगातार हर सीरीज का हिस्सा बन रहे हैं। उनका करियर 4-5 साल ही और आगे जाने वाला है।

अब अटकलें यह भी लगाई जा रही है कि वह टी-20 मैचों से संन्यास की घोषणा भी कर सकते हैं। इसका कारण संभवत यह भी हो सकता है कि वनडे और टेस्ट में उनका फॉर्म उतना अच्छा नहीं रहा है।

2 साल से टेस्ट और वनडे में नहीं लगा पाए हैं शतक

विराट कोहली की बल्लेबाजी बहुत लचर तो नहीं पर वैसी नहीं रही जिसके लिए वह जाने जाते थे। विराट कोहली अगर 50 के पार पहुंच जाते थे तो 10 में से 7 बार उसको शतक में तब्दील कर देते थे। लेकिन पिछले दो साल से वह एक शतक के लिए तरस रहे हैं। आखिरी शतक उन्होंने नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट मैच में लगाया था। वहीं वनडे की बात करें तो इस ही साल अगस्त में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबीना पार्क में विराट कोहली ने शतक लगाया था।

इसका असर उनकी रैंकिंग्स में भी दिखा। अप्रैल के महीने में उन्होंने अपने वनडे की शीर्ष रैंकिंग पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के हाथों गंवा दी। वहीं टेस्ट मैचो में भी अब वह टॉप 5 टेस्ट बल्लेबाजों में नहीं है और रोहित शर्मा उनसे आगे निकल चुके हैं। टी-20 रैंकिंग्स में भी वह टॉप 5 बल्लेबाजों की फहरिस्त से निकल गए थे। वह तो भला हो न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवॉन कॉन्वे के लचर प्रदर्शन की जिसके कारण कोहली चौथे नंबर पर आ सके।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय से इस कारण ले सकते हैं संन्यास

कप्तानी छोड़ने के बाद कोहली टी-20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहने का मन भी बना सकते हैं ताकि वनडे और टेस्ट में अपना ध्यान केंद्रित कर सकें। एक कारण यह भी है कि टी-20 में भारत की बैंच स्ट्रेंथ काफी मजबूत है और युवा खिलाड़ी कोहली की जगह ले सकते हैं। वहीं टी-20 युवा खिलाड़ियों का खेल ही माना जाता है जिसमें पॉवर हिटिंग जरूरी होती है। अभी तो विराट भी अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाते हैं लेकिन जैसे जैसे समय बीतता जाएगा। उनकी पॉवर हिटिंग कम होती जाएगी ऐसे में अभी से एक युवा को तैयार करना बेहतर विकल्प है।

महिला क्रिकेट : विंडीज ने सुपर ओवर में द. अफ्रीका को हराया

एंटिगा। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने यहां सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले गए पांचवें और अंतिम वनडे मुकाबले में सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका को हराया। इस मैच में मिली हार के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज 4-1 से अपने नाम की। विंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राशदा विलियम्स के 138 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 78 रन के दम पर 50 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी लिजेले ली के 78 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के के सहारे 61 रन की पारी की मदद से 50 ओवर में सात विकेट पर 192 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच स्कोर बराबर रहने पर मैच का फैसला सुपर ओवर के जरिए किया गया जहां दक्षिण अफ्रीका की टीम एक ओवर में छह रन ही बना सकी जबकि विंडीज ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर पांच मैचों की वनडे सीरीज में पहली बार जीत का स्वाद चखा।

टीकाकरण में गर्भवती महिलाओं को प्राथमिकता वाली याचिका पर एससी ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई के लिये तैयार हो गया जिसमें गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं को उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखते हुए कोविड-19 टीकाकरण में प्राथमिकता दिए जाने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) की याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया और दो सप्ताह के भीतर जवाब मांगा।

डीसीपीसीआर की ओर से पेश अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने कहा कि केंद्र ने गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के टीकाकरण के लिए कुछ दिशानिर्देश जारी किए हैं लेकिन अब कहा जा रहा है कि टीकाकरण के कारण उन पर कुछ प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि इन स्थितियों में महिलाओं को उच्च जोखिम वाली श्रेणी में घोषित करने की आवश्यकता है और लोग क्योंकि एक ऐसे वायरस से जूझ रहे हैं जिसके बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है, इसलिए उन पर टीकाकरण के प्रभावों को लेकर निरंतर शोध करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं व स्तनपान कराने वाली माताओं के पंजीकरण के लिये एक मंच बनाए जाने की जरूरत है जिससे उनकी समुचित निगरानी हो। शीर्ष अदालत ने कहा कि डीसीपीसीआर द्वारा अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका इस साल मई में कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच दायर की गई थी और बाद में गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के टीकाकरण के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए थे।

पीठ ने कहा कि वह केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर रही है और दो हफ्तों में जवाब चाहती है। शीर्ष अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के टीकाकरण के लिए तैयार की गई नीति से अवगत कराएं और साथ ही इस मामले में भविष्य में उठाए जाने कदमों के बारे में उनसे सहायता मांगी है।

भारत फिर से दूसरे देशों को भेजेगा कोरोना की वैक्सीन, अप्रैल में लगी थी निर्यात पर रोक

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। भारत अगले महीने से अतिरिक्त कोविड-19 टीके का निर्यात फिर से बहार करेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को यह बात कही। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि भारत अगले महीने 'वैक्सीन मैत्री' कार्यक्रम के तहत और वैश्विक 'कोवैक्स' पहल को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कोविड-19 टीकों का निर्यात फिर से शुरू करेगा, लेकिन देश के लोगों का टीकाकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

बता दें कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान भारत ने अप्रैल में अपनी आबादी को टीका लगाने पर ध्यान केंद्रीय करने के लिए टीके के निर्यात पर रोक लगा दिया था। मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार को अक्टूबर में कोविड-19 टीकों की 30 करोड़ से अधिक खुराक और अगले तीन महीनों में 100 करोड़ से अधिक खुराक मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश में कोविड-19 टीके की अब तक 81 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है, अंतिम 10 करोड़ खुराक महज 11 दिनों में दी गई।

देश के लोगों के टीकाकरण को सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बताते हुए मांडविया ने कहा कि अतिरिक्त टीकों का निर्यात अगली तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 'वैक्सीन मैत्री' कार्यक्रम के तहत और 'कोवैक्स' पहल के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए शुरू होगा। उन्होंने कहा कि यह 'वसुधैव कुटुम्बकम' के हमारे आदर्श वाक्य के अनुरूप है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अतिरिक्त टीकों की आपूर्ति का इस्तेमाल कोविड-19 के खिलाफ सामूहिक लड़ाई के लिए दुनिया के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए किया जाएगा। गावी, कोलिशन फॉर एपिडेमिक प्रिपेयर्डनेस इनोवेशन (सीईपीआई) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) 'कोवैक्स' पहल का सह-नेतृत्व कर रहे हैं।

भारत में कोविड-19 रोधी टीकों के स्वदेशी अनुसंधान और उत्पादन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों और मार्गदर्शन के कारण भारत इतने बड़े पैमाने पर कोविड के टीकों का अनुसंधान और उत्पादन कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारत का टीकाकरण अभियान दुनिया के लिए 'रोल मॉडल' है और यह बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है। आने वाले महीनों में अपेक्षित उत्पादन और आपूर्ति के रुझान के बारे में मांडविया ने कहा कि अक्टूबर में 30 करोड़ से अधिक और आने वाली तिमाही में 100 करोड़ से अधिक खुराक का उत्पादन किया जाएगा।

पिछले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71 वें जन्मदिन के अवसर पर देश में टीके की 2.50 करोड़ से अधिक खुराक दी गई। मंत्रालय के मुताबिक, भारत को टीकाकरण के 10 करोड़ आंकड़े तक पहुंचने में 85 दिन लगे। इसके बाद अगले 45 दिन में 20 करोड़ तथा इसके 29 दिन बाद 30 करोड़ के आंकड़े पर देश पहुंचा था। वहीं, 30 करोड़ से 40 करोड़ के आंकड़े तक पहुंचने में 24 दिन लगे और इसके 20 दिन बाद छह अगस्त को 50 करोड़ के आंकड़े पर पहुंच गए। इसके 19 दिन बाद देश ने 60 करोड़ आंकड़े का तथा इसके महज 13 दिनों बाद 60 करोड़ आंकड़े का लक्ष्य हासिल किया। इसके बाद 70 करोड़ से 80 करोड़ के लक्ष्य तक पहुंचने में महज 11 दिन लगे।

दलित के बेटे के सीएम बनने से बीजेपी के पेट में हो रहा दर्द : रणदीप सुरजेवाला

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि पंजाब में एक गरीब और दलित के बेटे चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री बनने से भाजपा की पेट में दर्द हो रहा है, जिस वजह से वह उन्हें अपमानित करने की साजिश कर रही है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बसपा प्रमुख मायावती पर भी उनके एक बयान को लेकर पलटवार किया और चुनौती दी कि वह पंजाब में शिरोमणि अकाली दल एवं बसपा के गठबंधन की ओर से किसी दलित को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करें।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री बनने से भाजपा की पेट में दर्द है। इसलिए वह छींटाकशी करके चन्नी जी और दलितों का अपमान करने की साजिश कर रही है। मोदी जी दलितों के नाम पर वोट मांगते हैं, लेकिन उन्होंने देश में किसी दलित को मुख्यमंत्री नहीं बनाया।''

कांग्रेस नेता ने सवाल किया, ''क्या किसी गरीब और दलित का बेटा मुख्यमंत्री नहीं बन सकता? भाजपा, आप, बसपा और अकाली दल की पेट में दर्द क्यों हो रहा है?''

सुरजेवाला के मुताबिक, कांग्रेस ने दलित समुदाय के व्यक्तियों को राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और देश के गृह मंत्री के पद पर पहुंचने का मौका दिया। मायावती के एक बयान को लेकर उन पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ''हम मायावती जी का सम्मान करते हैं। वो हमारी बुजुर्ग हैं। हम उनसे कहते हैं कि वह भी घोषणा कर दें कि पंजाब में अकाली दल और बसपा का मुख्यमंत्री उम्मीदवार दलित होगा।''

मायावती ने चन्नी को मुख्यमंत्री बनाने को चुनावी हथकंडा बताते हुये कहा है कि विधानसभा चुनाव में बसपा और अकाली दल गठबंधन से कांग्रेस बहुत ज्यादा घबरायी हुई है, इसीलिये उसने ऐसा किया है।

दलित को पांच महीने का सीएम बनाना कांग्रेस का चुनावी हथकंडा : मायावती

लखनऊ, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। रणजीत सिंह चन्नी को पंजाब का मुख्यमंत्री बनाए जाने को कांग्रेस का चुनावी हथकंडा बताते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने उम्मीद जाहिर की कि पंजाब में दलित वर्ग के लोग बहकावे में नहीं आएंगे।

मायावती ने सोमवार को कहा कि सिर्फ पांच महीने के लिए दलित वर्ग से बनाए गए मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को वह हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती है लेकिन बेहतर होता यदि कांग्रेस पहले ही इनको पूरे पांच वर्ष के लिए यहाँ का मुख्यमंत्री बना देती। अब कुछ ही समय के लिए इनको पंजाब का मुख्यमंत्री बनाना तो यह सब इनका कोरा चुनावी हथकण्डा है इसके सिवाय कुछ भी नहीं है।

मायावती ने कहा कि इससे यह भी स्पष्ट है कि कांग्रेस पंजाब में अकाली दल और बसपा के बने गठबन्धन से काफी ज्यादा घबराई हुई है लेकिन उन्हे पूरा भरोसा है कि पंजाब के दलित वर्ग के लोग भी इनके इस हथकण्डे के बहकावे में कतई भी नहीं आने वाले हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि सच्चाई यही है कि कांग्रेस व अन्य विरोधी पार्टियों को भी मुसीबत या फिर मजबूरी में ही दलित वर्ग के लोग केवल इन्हें याद आते है, जैसा कि खासकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के साथ संविधान बनाने में हुआ तथा अगर वे न होते तो आज पूरे देश में दलितों को आदिवासियों को व अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों को भी जो कुछ भी संवैधानिक कानूनी अधिकार मिले हैं तो शायद वे भी नहीं मिलते।

मायावती ने कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यक समाज में से खासकर मुस्लिम समाज के लोग जो आज थोडे-बहुत सुरक्षित हैं तो शायद ए भी नहीं होते क्योंकि बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर ने देश का संविधान किसी जाति और धर्म के आधार पर नहीं बल्कि धर्मनिरपेक्षता के आधार पर ही बनाया। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार यूपी विधानसभा आमचुनाव से कुछ समय पहले भाजपा का भी खासकर ओबीसी समाज के प्रति उभरा नया-नया प्रेम वास्तव में यह दिखावटी व हवा-हवाई आदि ना होकर यदि थोड़ा भी सही व सार्थक होता तो इनकी केन्द्र व यूपी सहित अन्य राज्यों की भी सरकारें इनके साथ-साथ एससी व एसटी की भी सरकारी नौकरियों में अभी तक इनके बैकलॉग को जरूर भर देती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और ना ही ओबीसी की जातीय जनगणना की माँग को ही स्वीकार किया जा रहा है।

मायावती कहा कि भाजपा व अन्य सभी जातिवादी पार्टियाँ देश में ओबीसी के लोगों की जनगणना कराने में वैसे ही घबरा रही हैं जिस प्रकार से इनके आरक्षण सम्बंधी मण्डल कमीशन की रिपोर्ट को लागू करने में इनके लोगों ने अति उग्र होकर पूरे देश में आन्दोलन किया था। लेकिन अब भाजपा का भी इनके वोट की खातिर यहां आसानी से इनका कोई भी नाटक चलने वाला नहीं है। अब इनकी काँठ की हांडी बार-बार चढ़ने वाली नहीं है।

बाबुल सुप्रियो ने ममता बनर्जी से की मुलाकात

कोलकाता, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के 48 घंटे के भीतर पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने सोमवार दोपहर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से राज्य सचिवालय नबन्ना में मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने गायक से नेता बने बाबुल सुप्रियो के साथ आधे घंटे से अधिक समय तक बातचीत की।

सुप्रियो ने कहा, 'उन्होंने (बनर्जी) मुझे पूरे दिल से काम करने और पूरे दिल से गाने के लिए कहा।' उन्होंने कहा, 'पुजोर शोमोय तुमि गण कोरो' (दुर्गा पूजा के दौरान गाओ)।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह ममता बनर्जी द्वारा लिखित कोई गीत गाएंगे, सुप्रियो ने कहा, 'मैं एक पेशेवर गायक हूं। मैं निश्चित रूप से गाऊंगा। मैंने कई अज्ञात गीतकारों के गीत गाए हैं। पहले मुझे गीत प्राप्त करने दो।'

उन्होंने कहा, 'जिस तरह से उन्होंने और अभिषेक (बनर्जी) ने मुझे पार्टी में स्वीकार किया, उससे मैं वास्तव में अभिभूत हूं। मैं पार्टी में नया हूं, लेकिन उन्होंने मुझे ऐसा महसूस नहीं कराया। सभी ने मुझे प्यार और स्नेह के साथ पार्टी में स्वीकार किया है।'

उन्होंने कहा, 'मैं पार्टी बदलकर कोई इतिहास नहीं बना रहा हूं। मैं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं आसनसोल से सांसद हूं, और मैं बुधवार को दिल्ली जाऊंगा। अगर अध्यक्ष ने मुझे समय दिया, तो मैं उसी दिन पद से इस्तीफा दे दूंगा।' केंद्रीय मंत्रिपरिषद से हटाए जाने के बाद सुप्रियो ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस में शामिल होकर राजनीतिक गलियारों में तहलका मचा दिया। आसनसोल से दूसरी बार लोकसभा का प्रतिनिधित्व करते हुए सुप्रियो ने पहले कहा था कि वह राजनीति छोड़ देंगे। हालांकि, बाद में भाजपा नेतृत्व ने उन्हें लोकसभा सदस्य बने रहने के लिए राजी कर लिया था।

सीएम भूपेन्द्र ने की पीएम और शाह से मुलाकात

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पटेल की पहली दिल्ली यात्रा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से इस मुलाकत की तस्वीर भी शेयर की गई।

प्रधानमंत्री मोदी से शिष्टाचार मुलाकात करने के पहले, दिल्ली पहुंचे भूपेन्द्र पटेल ने राष्ट्रपति भवन जाकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। हालांकि बाद में उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की।

भूपेन्द्र पटेल ने गृह मंत्री अमित शाह को तीर्थंकर श्री सीमंधर स्वामी जी की मूर्ति भी भेंट की। अमित शाह के साथ गुजरात के सीएम की बैठक आधे घंटे से भी ज्यादा देर तक चली, इसलिए इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने भी निकाले जा सकते हैं।

गौरतलब है कि विजय रुपाणी को गुजरात के मुख्यमंत्री पद से हटा कर हाल ही में भूपेंद्र पटेल को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया गया है। उन्होंने पिछले सोमवार को ही मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

बतौर सीएम पटेल एक ऐसी सरकार के मुखिया हैं, जिसके सारे मंत्री नए हैं (रुपाणी सरकार के मंत्रियों को नई सरकार में जगह नहीं दी गई है) इसलिए गृह मंत्री के साथ आधे घंटे से भी ज्यादा समय तक चली उनकी बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भूपेन्द्र पटेल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया, केंद्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला से भी मुलाकात की।

राजधानी दिल्ली की यात्रा पर आए पटेल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा सरकार एवं पार्टी के कई अन्य दिग्गज नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं।

पोर्न केस में राज कुंद्रा को मिली जमानत

मुंबई, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। अश्लील सामग्री मामले के आरोपी व्यवसायी राज कुंद्रा को 60 दिन जेल में बिताने के बाद सोमवार को 50,000 रुपये के मुचलके पर जमानत मिल गई।

मुंबई सत्र न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति कुंद्रा और उनके सह-आरोपी रयान थोरपे को जमानत दे दी। दोनों को 19 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था।

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा द्वारा 15 सितंबर को 1400 पन्नों का पूरक आरोपपत्र दाखिल किए जाने के छह दिन बाद उन्हें मुख्य आरोपी के रूप में नामित किया गया। इसके तुरंत बाद कुंद्रा और थोरपे ने जमानत के लिए सत्र न्यायालय का रुख किया और कहा कि आरोपपत्र दाखिल किया गया है, जो पुलिस जांच के अंत का संकेत देता है।

उन्होंने तर्क दिया कि नौ आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद उनमें से आठ को पहले ही जमानत मिल चुकी है, इसलिए अपराध की प्रकृति में समानता के आधार पर उन्हें भी जमानत मिलनी चाहिए।

कुंद्रा ने आगे कहा कि वह उस कंपनी से जुड़े थे, जिसके पास केवल 10 महीने के लिए हॉटशॉट और बॉलीफेम ऐप थे और जेल में रहने से उन्हें कोविड-19 के संक्रमण का खतरा था।

मलाड पश्चिम में मालवानी पुलिस ने एक बंगले पर छापा मारकर ऐप पर अश्लील सामग्री परोसे जाने के मामले का भंडाफोड़ किया था, जहां एक बंगले में अश्लील सामग्री की शूटिंग की जा रही थी। इस सिलसिले में पांच आरोपियों के खिलाफ 5 फरवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पांच महीने की जांच के बाद कुंद्रा और थोरपे को भी गिरफ्तार कर लिया गया और उसके बाद से आज तक वे पुलिस और न्यायिक हिरासत में रहे।

मुंबई पुलिस ने अपने पूरक आरोपपत्र में शिल्पा शेट्टी का बयान गवाह के तौर पर दर्ज किया है।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरी की संदिग्ध हालात में मौत

प्रयागराज, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। आखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की संदिग्ध हालात में आज मौत हो गई। उनका शव अल्लापुर में बांघबरी गद्दी मठ के कमरे में फंदे से लटका मिला है।

अतरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि महंत नरेंद्र गिरी की आज यहां संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। फिलहाल यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। जिले के पूरे आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। मामले की जांच हो रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासन पोस्टमार्टम के बारे में विचार कर रहा है। मठ पर फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया है।

नरेंद्र गिरी के निधन की खबर आते ही संत समाज के साथ ही राजनीतिक दलों में भी शोक की लहर दौड़ गई है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने शोक जताते हुए लिखा कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पूज्य संत महंत नरेंद्र गिरी जी महाराज के देवलोकगमन की दु:खद सूचना मिली। सनातन धर्म के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले पूज्य स्वामीजी द्वारा समाज के कल्याण में दिए योगदान को सदैव याद किया जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट कर शोक जताया और लिखा कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पूज्य नरेंद्र गिरी जी का निधन, अपूरणीय क्षति! ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान व उनके अनुयायियों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। भावभीनी श्रद्धांजलि।

पंजाब चुनाव का नेतृत्व करेंगे चन्नी और सिद्धू : कांग्रेस

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने नेतृत्व के मुद्दे पर पंजाब प्रभारी हरीश रावत के बयान का खंडन किया है और कहा है कि चुनाव मुख्यमंत्री और राज्य पार्टी अध्यक्ष दोनों के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, 'मीडिया कृपया भ्रम न फैलाएं और दलित मुख्यमंत्री पर हमला बंद करें। चरणजीत चन्नी मुख्यमंत्री और सिद्धू प्रदेश अध्यक्ष के रूप में हमारा चेहरा होंगे।'

कांग्रेस को पंजाब में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के दिन क्षति नियंत्रण (डैमेज कंट्रोल) शुरू करना पड़ा है, क्योंकि हरीश रावत के बयान पर मतभेद पैदा हो गए थे, जिन्होंने कहा था कि अगला चुनाव नवजोत सिंह सिद्धू के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

पंजाब कांग्रेस में मतभेद के सुर थम नहीं रहे हैं। चरणजीत सिंह चन्नी के राज्य का सीएम चुने जाने के बाद उम्मीद थी कि असंतोष और असहमति के सुर कम से कम कुछ समय के लिए थम जाएंगे, लेकिन ऐसा होता लग नहीं रहा है। रावत के बयान के बाद पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने उनकी आलोचना की है।

जाखड़ ने सोमवार को एक ट्वीट में कहा, 'चरणजीत सिंह चन्नी के सीएम पद के लिए शपथ ग्रहण वाले दिन रावत का यह बयान कि चुनाव सिद्धू के नेतृत्व में लड़ा जाएगा, चौंकाने वाला है। यह न केवल सीएम के अधिकार को कम कर सकता है, बल्कि यह इस पद पर उनके चुनाव पर भी सवाल उठाता है'

दरअसल रावत ने एक बयान में कहा था कि हालांकि राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के चेहरे को लेकर निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष लेंगी, लेकिन मौजूदा स्थितियों में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तहत सीएम कैबिनेट के साथ चुनाव लड़ा जाएगा, जिसके प्रमुख सिद्धू बेहद लोकप्रिय हैं।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जाहिर तौर पर नए मुख्यमंत्री चन्नी की चुनाव में मुख्य भूमिका होगी।

कांग्रेस नेतृत्व की नजर में पंजाब का मुद्दा फिलहाल भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन राज्य के नेता चुनाव तक खुद को मुखर करेंगे और सिद्धू की राह आसान नहीं होगी। विधायक दल की बैठक में सिद्धू विधायकों में अंतिम पसंद थे जबकि जाखड़ और रंधावा को बहुमत का समर्थन था। रंधावा इस मौके को नहीं भुना सके, क्योंकि सिद्धू एक जाट सिख को सीएम के रूप में नियुक्त करने पर अड़े थे और उन्हें जाखड़ पर आपत्ति थी। हालांकि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी ने मुख्यमंत्री बनने से इनकार कर दिया और वह रंधावा का समर्थन कर रही थीं, लेकिन इन सबके बीच आश्चर्यजनक रूप से चन्नी का नाम सामने आया और आगामी चुनाव से पहले उन्हें पंजाब की जिम्मेदारी सौंपी गई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com